E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 116 | प्रयागराज, शुक्रवार 17 जुलाई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने ईरान पर लगातार कर रहा एयरस्ट्राइक, जवाब में तेहरान ने बहरीन-कुवैत में गिराए मिसाइल

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने गुरुवार तड़के ईरान में सैन्य ठिकानों पर एक बार फिर एयरस्ट्राइक की। अमेरिकी की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो ईरान बड़े सैन्य टकराव के के दिनों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 35 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। 3. ईरान जंग के बाद पहली बार अमेरिका जाएंगे

सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, हमलों में मिसाइल लॉन्च साइट, रक्षा ठिकाने और सिस्तान-बलूचिस्तान में 388वीं ब्रिगेड की बैरक को निशाना बनाया गया। जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। बहरीन और कुवैत में मिसाइल अलर्ट जारी किया गया, जबकि जॉर्डन ने तीन ईरानी मिसाइलें मार गिराने की जानकारी दी। इस बीच ईरान लिए तैयार है। वहीं, रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो मिडिल-ईस्ट से तेल और गैस का निर्यात भी रोका जा सकता है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्सः-1. होर्मुज में जहाज नहीं भेज रहीं कंपनियांः ईरानी हमलों के बाद कई शिपिंग कंपनियां होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए अमेरिका की सुरक्षा लेने से भी बच रही हैं। 2. अमेरिकी हमलों में 35 ईरानी लोगों की मौतः ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल नेतन्याहूः इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। वे दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने जा रहे हैं। 4. अचानक कतर पहुंचे ईरानी विदेश मंत्रीः अब्बास अराघची अचानक कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। वह कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेंगे। 5. लापता भारतीय नाविक के मौत की पुष्टिः ओमान के तट के पास कारोबारी जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर 12 जुलाई को हुए हमले के बाद लापता हुए एक भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि हो गई है। इराक के एरबिल में 5 ड्रोन हमलेः-इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र की राजधानी एरबिल में पांच ड्रोन हमले हुए हैं। प्रधानमंत्री अली अल-ज़ैदी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सरकार देश की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। एरबिल पुलिस के मुताबिक, पांच ड्रोन हमले दर्ज किए गए। इनमें से एक ड्रोन अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास मार गिराया गया, जिससे आग लग गई और दूतावास की एयर डिफेंस प्रणाली सक्रिय हो गई। वहीं, दो अन्य ड्रोन शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक अमेरिकी सैन्य बेस के पास गिरे। जॉर्डन का दावा- ईरान की 8 मिसाइलें मार गिराईं:-जॉर्डन की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान की आठ मिसाइलें हवा में ही मार गिराईं। सरकारी एजेंसी पेट्रा के मुताबिक, सभी मिसाइलों को एयर डिफेंस सिस्टम ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले इंटरसेप्ट कर लिया। सेना ने कहा कि हमले में कोई हताहत या नुकसान नहीं हुआ। अलग-अलग जगह गिरे मिसाइलों के मलबे को सुरक्षित कर लिया गया है। साथ ही, जॉर्डन का एयर डिफेंस सिस्टम हाई अलर्ट पर है और हवाई क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है।

अहमदाबाद में रथयात्रा में शाह ने मंगला आरती की, सीएम-डिप्टी सीएम ने रथ के आगे झाड़ू लगाई, पुरी में बारिश के बीच पहुंच रहे श्रद्धालु

पुरी। गुजरात के अहमदाबाद में आज भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा निकाली जा रही है। अहमदाबाद के जामालपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर में सुबह 4 बजे मंगला आरती हुई, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अपने परिवार के साथ शामिल हुए। देव सोने की झाड़ू से रथ के आगे सफाई करेंगे। शाम 4 बजे श्रद्धालु तीनों रथों को खींचते हुए भगवानों को 3 किमी दूर गुंडिचा मंदिर के लिए रवाना करेंगे। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंच रहे। रथयात्रा में अलग-अलग संदेश देने वाली झांकियां निकाली गईं। इनमें हाथी बेकाबू हो गए थे। हाथियों के अचानक सड़क पर दौड़ने से खड़िया इलाके में भगदड़ मच गई थी, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे। रथयात्रा की शुरुआत में ओडिसी डांस करने वाली कलाकार ने कहा- मैं हर साल भगवान जगन्नाथ के सामने

सुबह 7 बजे भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा का रथ निकाला गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोने की झाड़ू से सड़क साफ की। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। जामालपुर से ट्रकों में अलग-अलग झांकियां निकली गईं। वहीं, ओडिशा के पुरी में सुबह 9 बजे भगवान को रथों पर विराजमान कराया जाएगा। इसके बाद गजपति महाराजा दिव्यसिंह ईरान-अमेरिका युद्ध रोकने की अपील, भारतीय क्रिकेट टीम, पीएम मोदी के गुजरात दिखाते फोटो, नगर निगम का साफ-सफाई का मैसेज देने वाला ट्रक शामिल रहा। रथयात्रा में इस बार हाथियों के पैर बंधे हुए हैं। वे दौड़ नहीं सकते। हर हाथी पर निगरानी कैमरे लगे हैं। दरअसल पिछले साल 27 जून को अहमदाबाद की रथयात्रा में डीजे की तेज आवाज से डरकर तीन ओडिसी नृत्य करती हूं। ओडिसी भगवान का फेवरेट डांस माना जाता है, इसलिए हर बार मुझे यहां प्रस्तुति देने का सौभाग्य मिलता है। मुझे विश्वास है कि आज जब महाप्रभु भक्तों को दर्शन देने बाहर आएंगे, तब बारिश भी थम जाएगी। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार पर तीनों रथ पहुंच गए हैं। भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष, बलभद्र का तालध्वज और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ रथयात्रा से पहले मंदिर के मुख्य द्वार पर खड़ा कर दिया गया है। थोड़ी देर में मंगला आरती होगी। सोने की झाड़ू से रथों की सफाई करेंगे पुरी गजपतिः-रथयात्रा शुरू होने से पहले पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव तीनों रथों की पूजा करेंगे। वे भगवान जगन्नाथ के प्रथम सेवक माने जाते हैं। इसके बाद वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करेंगे। फिर चंदन और सुगंधित जल का छिड़काव करेंगे। इस रस्म को 'छेरा पहरा' कहा जाता है। रथयात्रा से पहले यह रस्म हर साल होती है। यह परंपरा बताती है कि भगवान के सामने राजा और आम इंसान सभी समान हैं। इसलिए गजपति महाराजा भी खुद को भगवान का सेवक मानकर यह सेवा करते हैं। सबसे पहले बलभद्र, सबसे आखिर में जगन्नाथ का रथ-रथयात्रा में तीनों रथ एक क्रम से निकलते हैं। सबसे पहले भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई बलभद्र का तालध्वज रथ चलता है। इसके बाद बहन सुभद्रा का दर्पदलन रथ निकलता है। सबसे आखिर में भगवान जगन्नाथ अपने नंदीघोष रथ पर सवार होकर यात्रा शुरू करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, बड़े भाई होने के कारण बलभद्र सबसे पहले मार्ग दिखाते हैं, उनके पीछे बहन सुभद्रा चलती हैं और अंत में भगवान जगन्नाथ अपने भक्तों को दर्शन देते हुए गुंडिचा मंदिर पहुंचते हैं। यही क्रम हर साल रथयात्रा और बहुदा यात्रा, दोनों में निभाया जाता है।

यूक्रेन के हमले से रूस में भी होर्मुज जैसा संकट, जहाजों की आवाजाही रुकी, 9 दिन में 116 जहाजों पर हमले हुए

मॉस्को। यूक्रेन के लगातार ड्रोन हमलों के बाद रूस को बड़ा झटका लगा है। इस सप्ताह तक पहुंचाने के लिए करता था। लेकिन हाल के महीनों में यूक्रेन के ड्रोन हमले काफी प्रभावी हो

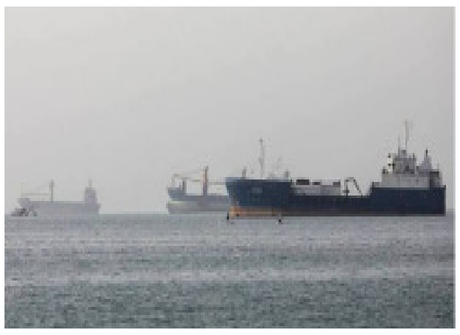

हमलों की वजह से रूस को एजोव सागर के अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही रोकनी पड़ी। इससे दुनिया के दूसरे देशों के साथ रूस का व्यापार प्रभावित होने लगा है। एजोव सागर लंबे समय तक यूक्रेन की पहुंच से बाहर रहा था। रूस इसी समुद्री रास्ते का इस्तेमाल यूक्रेन पर हमले करने और दक्षिणी रूस से तेल, गेहूं, स्टील, सूरजमुखी का तेल और दूसरे सामान दुनिया के बाजारों गए हैं और अब इस समुद्री रास्ते पर भी रूस का दबदबा कमजोर पड़ने लगा है। यूक्रेन की ड्रोन सेना के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवदी ने बुधवार को दावा किया कि पिछले 9 दिनों में एजोव सागर में रूस के 116 जहाजों को निशाना बनाया गया है। पहले यूक्रेन के हमले मुख्य रूप से रूस के शैडो ऑयल टैंकरों और युद्धपोतों तक सीमित थे, लेकिन अब हमलों का दायरा बढ़ गया है। रूस के दो अहम समुद्री रास्ते बंद- लगातार हमलों के बाद रूस ने डॉन-एजोव चैनल और केर्च स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही रोक दी है। डॉन-एजोव चैनल एजोव सागर को रूस की अंदरूनी नदियों और जलमार्गों से जोड़ता है। केर्च स्ट्रेट एजोव सागर को ब्लैक सी से जोड़ता है। सैटेलाइट तस्वीरों और जहाजों की ट्रैकिंग करने वाली बेवसाइट्स के मुताबिक, इन दोनों रास्तों के दोनों ओर बड़ी संख्या में जहाज फंसे हुए हैं और आगे बढ़ने का इंतजार कर रहे हैं।एक्सपर्ट्स का कहना है कि इसका असर सिर्फ रूस के तेल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा। इससे गेहूं, सूरजमुखी के तेल और दूसरे कृषि उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ सकता है, जिन पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंध लागू नहीं हैं। अमेरिका के इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्लू) का कहना है कि यूक्रेन के हमलों का मकसद क्रीमिया को रूस की सप्लाई लाइन से अलग करना और समुद्री रास्तों से होने वाले तेल व अनाज के निर्यात को बाधित करना है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

कांग्रेस का पीएम को लेटर, कहा- सर्वदलीय बैठक बुलाएं,मानसून सत्र में चढ़ावा चोरी का मामला उठाएगी

नयी दिल्ली। कांग्रेस मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी, पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का मुद्दा उठाएगी। इसके अलावा, सरकार के संशोधन बिलों का विरोध करेगी। यह फैसला गुरुवार को कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक में लिया गया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 131वें संविधान संशोधन विधेयक यानी परिसीमन से जुड़े बिल को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा। इसमें सरकार के संशोधित प्रस्तावों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। बैठक सोनिया गांधी के आवास पर हुई। इसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जयराम रमेश ने कहा, 'संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी।' उन्होंने आगे कहा- 'कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन्हें हम विशेष रूप से उठाएंगे। जैसे चंदे की चोरी और विश्वासघात। प्रभु श्रीराम मंदिर के संबंध में रोज नए खुलासे हो रहे हैं।' 'हम अयोध्या में भाजपा और आरएसएस के रचे गए घोटाले का मुद्दा जरूर उठाएंगे।

असम में 99 गांव डूबे, अरुणाचल में 1 लाख लोग फंसे, एमपी के 35 जिलों में सूखा

2 दिन में बंगाल-बिहार-यूपी में मानसून की वापसी संभव

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने के चलते पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड और बिहार में बारिश हो सकती है। बुधवार को ओडिशा के पुरी में रथयात्रा के दौरान भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना लो-प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) मजबूत होगा और अगले दो दिनों में पश्चिम बंगाल, बिहार और यूपी की तरफ बढ़ेगा। इससे इन राज्यों में मानसूनी बादलों की वापसी हो सकती है।

वहीं, मध्य प्रदेश में जबलपुर, रीवा, सागर-शहडोल समेत प्रदेश के 35 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और बारिश से 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। अब तक 7 लोगों की मौत हुई है और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं। नेपाल में बारिश से भारत में बाढ़ का खतरा नेपाल के सूनसरी के पुलिस उप अधीक्षक चंद्र बहादुर खड़का के मुताबिक, बुधवार रात कोशी बैराज पर पानी का बहाव 1,63,230 क्यूसेक पहुंच गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आगर पूर्वी नेपाल में बारिश जारी रही, तो पानी का बहाव और अधिक बढ़ सकता है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बैराज के 56 गेटों में से 21 गेट खोल दिए गए हैं। कोशी बैराज नेपाल और भारत के पड़ोसी क्षेत्रों के लिए एक महत्वपूर्ण बाढ़-नियंत्रण संरचना है। कोशी बैराज कंट्रोल रूम ने बताया कि जब नदी का बहाव 1,50,000 क्यूसेक से अधिक हो जाता है, तो सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए जाते हैं। इसके तहत खतरे का संकेत देने और आसपास के लोगों को अलर्ट करने के लिए बैराज पर लाल बत्तियां जलाई जाती हैं और लाल झंडे फहराए जाते हैं। वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ रहा है- भारी बारिश के बाद वाराणसी में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है-गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण नदी का प्रवाह काफी तेज हो गया है, जिससे घाटों की सीढ़ियां पानी में डूबने लगी हैं। 2 दिन के मौसम का हालः-17 जुलाईः-उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, सिक्किम, बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम ओर त्रिपुरा में बारिश का अलर्ट है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही तेज गर्मी के साथ यहां मौसम उमस भरा रहेगा। मध्य प्रदेश, झारखंड, बंगाल और जम्मू-कश्मीर में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जुलाईः-पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और रायलसीमा में तेज गर्मी और उमस भरा मौसम रहेगा। ओडिशा-बंगाल में भारी बारिश, आंधी-बिजली और तूफान का ऑरेंज अलर्ट है। कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। बिहार, झारखंड, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल, असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और मणिपुर में तेज बारिश होगी।

22 जुलाई को पहली बार जेल में 2 हत्यारों की शादी, युवक ने पड़ोसी और युवती ने पति का किया था मर्डर

जोधपुर। जोधपुर के मंडोर ओपन जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे युवक-युवती 22 जुलाई को फेरे लेंगे। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने इसकी अनुमति दे दी है। राजस्थान के न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका होगा जब किसी ओपन जेल (खुला बंदी शिविर) परिसर के भीतर दो दोषियों की शादी होगी। युवक नागौर का, जबकि युवती मुंबई की रहने वाली है। जेल में ही दोनों के बीच नदीकियां बढ़ीं और शादी का फैसला किया। यह ऐतिहासिक आदेश न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी एवं न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने जारी किया। सहेली के पिता कन्यादान करेंगेमंडोर ओपन जेल में रहकर सजा काट रहे मूलाराम भाटी (33) और सीमा (31) आगामी 22 जुलाई को शादी करेंगे। सीमा की सहेली के पिता कन्यादान करेंगे। शादी के निमंत्रण पत्र (कार्ड) में पिता के स्थान पर उनका ही नाम लिखा गया है। हाईकोर्ट के निर्देशानुसार, यह शादी मंडोर ओपन एयर कैंप

परिसर में ही जेल प्रशासन की सख्त निगरानी में होगी। खेती करते-करते बढ़ीं नजदीकियां, जेल में ही हुआ प्यार-जानकारी के अनुसार, नागौर जिले के अडसिंगा का रहने वाला मूलाराम करीब दो साल पहले अजमेर जेल से जोधपुर की मंडोर ओपन जेल में शिफ्ट हुआ था। मुंबई की रहने वाली सीमा को करीब डेढ़ साल पहले महिला जेल से इसी ओपन जेल में भेजा गया था।ओपन जेल के नियमों के तहत दोनों वहां खेती का काम करते थे। रोज काम के दौरान दोनों का संपर्क हुआ, बातचीत बढ़ी और धीरे-धीरे यह नजदीकियां प्यार में बदल गईं। हाल ही में सीमा को 40 दिन की पैरोल (जमानत) मिली है, जिसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया। मूलाराम ने अपने पड़ोसी, तो सीमा ने अपने पति की हत्या की थी। कोर्ट ने इन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट बोला- सजा का मकसद केवल दंड देना नहीं, सुधार भी है-सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता मूलाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कालूराम भाटी और अधिवक्ता स्वप्न चौहान ने पैरवी की। राज्य सरकार की ओर से सरकारी वकील (लोक अभियोजक) सी.एस. ओझा और श्रवण सिंह राठौड़ कोर्ट में उपस्थित रहे। राज्य सरकार ने भी इस विवाह पर कोई आपत्ति नहीं जताई। हाईकोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले में वर्ष 2022 के प्रसिद्ध 'नंदलाल बनाम राज्य' मामले के निर्णय का उल्लेख किया। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा- जेल सुधार व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य अपराधियों को केवल दंडित करना या समाज से अलग करना नहीं है, बल्कि उनका पुनर्वास करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के अवसर प्रदान करना भी है। वर्ष 2017 से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे मूलाराम की इस याचिका को स्वीकार करना राजस्थान की जेल प्रणालियों में मानवीय दृष्टिकोण का एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। इस फैसले को भविष्य में कैदियों के संवैधानिक अधिकारों और मानवीय गरिमा से जुड़े मामलों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण न्यायिक मिसाल माना जा रहा है।

कनाडा में जंगल की आग के बीच फंसी ट्रेन,कर्मचारियों ने पैदल भागकर जान बचाई

ओंटारियो। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में भीषण जंगल की आग के बीच कैनेडियन नेशनल रेलवे के कर्मचारी मौत के बेहद करीब पहुंच गए। धुएं के कारण विजिबिलिटी लगभग खत्म हो गई थी। इसी दौरान एक ट्रक में आग लग गई और वह ट्रेन से टकरा गया। हालांकि, सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल आए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में ट्रेन के इंजन की खिड़कियों के बाहर चारों ओर जंगल में आग की ऊंची लपटें दिखाई देती हैं। आसमान नारंगी रंग का नजर आता है और कर्मचारी तत्काल निकासी की मांग करते सुनाई देते हैं। वीडियो में ट्रेन के दोनों ओर जंगल धधकते दिखाई दे रहे हैं, जबकि ट्रेन के

कर्मचारी वायरलेस पर मदद मांगते सुनाई देते हैं। वीडियो में एक कर्मचारी कहता है, 'आग कभी भी हमें अपनी चपेट में ले सकती है। अब हालात डराने वाले हो गए हैं।' यह घटना ओंटारियो के आर्मस्ट्रॉन्ग इलाके के पास हुई, जहां ट्रेन जलते हुए पेड़ों के बीच से गुजर रही थी। सीएन रेलवे के अनुसार, घने धुएं के बीच एक ट्रक आग की चपेट में आ गया और ट्रेन से टकरा गया। इसके बाद सभी कर्मचारी पैदल ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचे। हालांकि, किसी भी कर्मचारी को चोट नहीं आई। घटना के बाद सीएन रेलवे ने एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके में सभी रेल सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दीं। कंपनी ने आर्मस्ट्रॉन्ग कस्बे के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह इलाका उत्तर-पश्चिमी ओंटारियो में जंगल की आग से प्रभावित है। कनाडियन इंटरएजेंसी फॉरेस्ट फायर सेंटर के अनुसार, इस समय पूरे कनाडा में 838 जगहों पर जंगलों में आग लगी हुई है। वहीं अमेरिका की सीमा से लगे मिनेसोटा राज्य में भी एक दर्जन से ज्यादा जंगलों में आग जल रही है। इसकी वजह भीषण गर्मी, सूखा और तेज हवाएं बताई गई हैं। प्रदेश में करीब 150 जगहों पर जंगल की आग जल रही हैं। कई समुदायों में अनिवार्य निकासी के आदेश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में प्रतिबंधित अग्नि क्षेत्र लागू कर दिया है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा आपातकालीन जरूरत का सामान तैयार रखने की अपील की है।

Gem of आधुनिक समाचार 2026- श्रीमती पूनम सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सचिव - भाविनी वेलफेयर सोसाइटी, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, सचिव - भाविनी संस्थान, अल्लापुर, प्रयागराज, अध्यक्ष - भाविनी स्वयं सहायता समूह, प्रयागराज। श्रीमती पूनम सिंह का जीवन संघर्ष, साहस और समाजसेवा की प्रेरणादायक मिसाल है। वर्ष 1995 में ब्रेन हेमरेज के कारण उन्हें लेफ्ट साइड पैरालिसिस हो गया, किंतु उन्होंने कठिन परिस्थितियों के सामने हार न मानते हुए अपने जीवन को दिव्यांग बच्चों एवं जरूरतमंद महिलाओं की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। स्पेशल एजुकेशन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने वर्ष 2005 में भाविनी वेलफेयर सोसाइटी के अंतर्गत भाविनी डे-केयर की स्थापना की। यहाँ विभिन्न प्रकार के दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जाता है। साथ ही भाविनी संस्थान के माध्यम से दिव्यांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण, महिला आत्मनिर्भरता एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया जा रहा है।

वर्तमान की मांग है पर्यावरण संरक्षण - गुनेन्द्र प्रकाश

पर्यावरण संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया ओपी यादव का 73वां जन्म दिन,उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में रोपित किए गए 73 पौधे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। औघड़ लीगल एसोसिएट्स सिविल कोर्ट रायबरेली के तत्वाधान में बुधवार को सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीसी (फौ0) समाजवादी चिंतक, स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी परिवार के दीपक ओपी यादव का 73वां जन्म दिन पर्यावरण संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में फलदार, सायादार एवं औषधी के 73 पौधे रोपित किए गए।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उ0प्र0 न्यायिक सेवा संघ के महासचिव अपर जिला जज गुनेन्द्र प्रकाश ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की मांग है।पौधों में भी जान होती है और वह भी सांस लेते हैं।पेड़ों द्वारा छोड़ी जाने वाली आक्सीजन मानव जीवन के लिए वरदान है।सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा कि ओपी यादव 16 वर्ष की आयु से अपनी आयु के सापेक्ष संख्या में वृक्षारोड़ कर रहे हैं। महामंत्री योगेन्द्र दीक्षित ने कहा कि ओपी यादव का जीवन संघर्षपूर्ण रहा, अन्याय के विरूद्ध आवाज उठाने पर 82 बार जेल गये। पूर्व महामंत्री सुनील सिंह ने कहा कि श्री यादव वकालत के साथ समाजसेवामें हमेशा अग्रणी भूमिका निभाते हैं। प्रमुख व्यवसायी हरिहर सिंह ने कहा कि ओपी यादव की दादी इंदिरा यादव, बाबा सद्धू प्रसाद यादव, पिता बद्री प्रसाद यादव 6 जनवरी 1921 को किसान आन्दोलन में जेल गये। विजय रस्तोगी ने कहा कि ओपी यादव की माँ उमराई यादव 12 वर्ष की आयु में वानर सेना में शामिल होकर ब्रिटिश हुकूमत के विरूद्ध आवाज बुलन्द करते हुए जेल गयीं। उच्च न्यायालय के अधिवक्ता दीपक यादव ने कहा कि ओपी यादव को संघर्ष विरासत में मिला है।

एन.सी.एफ. की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने की सिटी मजिस्ट्रेट से मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सामाजिक संगठन नौएडा सिटीजन फोरम (एन.सी.एफ) की ओर से कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने सिटी मजिस्ट्रेट नौएडा से मिलकर युवा इंजीनियर आर्यन की दर्दनाक मृत्यु के मामले में ज्ञापन सौंपा। प्रमुख मांगें इस प्रकार रहीं:- मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच की जाए। दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संबंधित ठेकेदारों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई हो। पूरे प्रकरण की 'मजिस्ट्रियल जांच' कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। पीड़ित परिवार को रु50 लाख का मुआवजा एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए खुले नालों, टूटी स्लैबों और विद्युत व्यवस्था का 'विशेष सुरक्षा ऑडिट' कराया जाए। सिटी मजिस्ट्रेट ने विषय को ध्यानपूर्वक सुनकर उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

सपा नोएडा महानगर में नई जिम्मेदारियाँ, यासमीन खातून और कवित गुर्जर का हुआ मनोनयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गई हैं। बुधवार को पार्टी नेतृत्व द्वारा यासमीन खातून को समाजवादी महिला सभा, नोएडा महानगर की विधानसभा अध्यक्ष तथा युवा एवं कर्मठ समाजवादी साथी कवित गुर्जर को समाजवादी लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता सहित संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों नवनियुक्त नेताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व और सक्रियता से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा पार्टी जन-जन तक और अधिक मजबूती के साथ पहुँचेगी। नवनियुक्त यासमीन खातून एवं कवित गुर्जर ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व एवं संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाजवादी विचारधारा, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी की नीतियों एवं पार्टी की जनहितकारी सोच को प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ

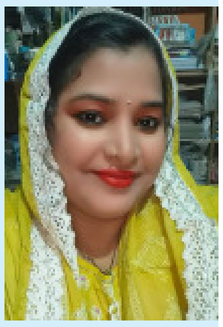

कार्य करेंगे। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का निरंतर प्रयास करेंगे। अंत में संगठन की ओर से दोनों नेताओं के उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया गया कि वे अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर पार्टी को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। ?

देविका गोल्ड होम्स में नई एओए के चुनाव का रास्ता साफ, डिप्टी रजिस्ट्रार ने वर्तमान कार्यकारिणी को कालातीत घोषित किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बुधवार को देविका गोल्ड होम्स अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए), जीएच-06सी, सेक्टर-1, ग्रेटर नोएडा वेस्ट से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे विवाद के बीच डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसायटीज़ एवं चिट्स, गाजियाबाद द्वारा एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है।जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान कार्यकारिणी/एड-हॉक एओए का

कार्यकाल समाप्त (कालातीत) हो चुका है। आदेश में यह भी कहा गया है कि समय पर चुनाव न कराए जाने के कारण अब सोसायटी में नई कार्यकारिणी के गठन हेतु वैधानिक प्रक्रिया के अंतर्गत एक माह के भीतर निष्पक्ष चुनाव कराए जाएंगे। इसके लिए सक्षम निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति भी की गई है। यह आदेश उन सभी निवासियों के लिए महत्वपूर्ण है जो लंबे समय से एक वैधानिक, लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी एओए के गठन की मांग कर रहे थे। निवासियों का मानना है कि नियमित एवं निष्पक्ष चुनाव से सोसायटी में सुशासन, पारदर्शिता तथा सभी फ्लैट मालिकों की समान भागीदारी सुनिश्चित होगी। प्रवीण सिंह, शिकायतकर्ता एवं सोसायटी निवासी ने कहा-'यह आदेश केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि देविका गोल्ड होम्स के उन सभी निवासियों की लोकतांत्रिक जीत है जिन्होंने पिछले कई महीनों से एक वैधानिक, पारदर्शी और जवाबदेह एओए की मांग को शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से उठाया। हमें विश्वास है कि निष्पक्ष चुनाव के माध्यम से अब सोसायटी में सुशासन, पारदर्शिता और सभी निवासियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित होगी। हम सभी निवासियों से अपील करते हैं कि वे चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें और एक ऐसी एओए का चयन करें जो केवल निवासियों के हित में कार्य करे।' निवासियों ने डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा विधिसम्मत एवं निष्पक्ष निर्णय लिए जाने पर आभार व्यक्त किया है तथा सभी फ्लैट मालिकों से आगामी चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेकर एक मजबूत, जवाबदेह एवं लोकतांत्रिक एओए के गठन में सहयोग करने की अपील की है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शासन एवं जिला धिकारी के निर्देशों के क्रम में जनपद के

कृषकों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। उक्त क्रम में आज उप कृषि निदेशक कार्यालय, विकास भवन में उप कृषि निदेशक राजीव कुमार की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस में प्रगतिशील कृषकों ने सम्मिलित होते हुए अपनी समस्याओं को बैठक में रखा। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों को फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी एवं कृषि यंत्रीकरण से संबंधित विषयों पर जागरूक किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किस्त हस्तांतरण में आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि कई किसानों द्वारा सेल्फ रजिस्ट्रेशन के दौरान कृषि भूमि का विवरण सही प्रकार से दर्ज न किए जाने के कारण किस्त हस्तांतरण में कठिनाई आ रही है। ऐसे किसानों को जन सुविधा केंद्र के माध्यम से 'अपडेट मिसिंग इंफॉर्मेशन' विकल्प के अंतर्गत अपनी भूमि का विवरण संशोधित एवं अद्यतन कराने की जानकारी भी साझा की गई। साथ ही कार्यक्रम में इस विषय पर भी बल दिया गया कि किसान द्वारा प्रयोग की जाने वाली खाद की मात्रा कृषक को उपलब्ध कराये गये सॉइल हेल्थ कार्ड के निष्कर्षों पर ही आधारित हो। कृषकों की सहायता हेतु आयोजित इस किसान दिवस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र से जुड़े विभागों के अधिकारी, जिसमें सिंचाई, ऊर्जा एवं कृषि उत्पादन शाखा से जुड़े विभाग जैसे कृषि, उद्यान, मतस्य, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन आदि विभागों के अधिकारियों व एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री व प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सम्बन्धित समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अन्त में उप कृषि निदेशक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषकों, सम्बंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद करते हुए कार्यकम समापन की घोषणा की गयी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक सम्पन्न,समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समेकित शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण, विभागवार प्रगति, असंतुष्ट फीडबैक तथा खराब प्रदर्शन वाले विभागों की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब प्रगति वाले विभागों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आईजीआरएस का कोई भी प्रकरण डिफाल्टर न होने पाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिक निस्तारण करने के बजाय शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिन मामलों में विभाग द्वारा कार्य पूर्ण कर दिया गया है तथा शिकायतकर्ता संतुष्ट है, उन प्रकरणों में संतुष्टि का फीडबैक भी अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए, जिससे जनपद की आईजीआरएस रैंकिंग में सुधार हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत के निस्तारण में पारदर्शिता एवं प्रमाणिकता बनाए रखते हुए स्थलीय निरीक्षण के दौरान जीपीएस लोकेशन युक्त फोटो पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाए। इससे शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी तथा शासन स्तर पर जनपद की बेहतर छवि स्थापित होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण जनशिकायत निवारण प्रणाली है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ करें तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। बैठक अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र, उप जिलाधिकारी सारा अशरफ, जिला विकास अधिकारी वर्षा सिंह, उप निदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद में आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की समीक्षा बैठक सम्पन्न,पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से मिले आयुष्मान योजना का लाभ - डीएम

आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर

ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की वर्तमान स्थिति, विभागवार प्रगति तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आवश्यक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड निर्धारित समय-सीमा के भीतर बनवाना सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क उपचार का सुरक्षा कवच है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायत, नगर निकाय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जन सेवा केंद्रों के माध्यम से विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। उन्होंने आशा, एएनएम तथा अन्य फील्ड कर्मियों को भी अभियान से जोड़ते हुए घर-घर संपर्क कर पात्र परिवारों की पहचान एवं कार्ड निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में आयुष्मान कार्ड बनने की प्रगति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास किए जाएं तथा प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा कर लक्ष्य के अनुरूप कार्य किया जाए, साथ ही लाभार्थियों को योजना के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मिलने वाली निःशुल्क उपचार सुविधा की जानकारी भी दी जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या आने पर उसका त्वरित समाधान किया जाए, जिससे कार्ड निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित न हो। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ममूरा गांव में भीषण आग, दो लोगों की मौत; विधायक पंकज सिंह ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ममूरा गांव में आग लगने की घटना में दो लोगों की मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक की लहर

दौड़ गई। घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा गया कि यह अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक हादसा है। दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई। घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रशासन के अनुसार रेस्क्यू अभियान के दौरान आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। भवन में फंसे दो लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं भवन में मौजूद अन्य सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद स्थानीय विधायक पंकज सिंह मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने आसपास के लोगों से भी घटना की जानकारी ली तथा प्रशासनिक अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी प्राप्त की। विधायक ने अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्तों ने अपने हाथों से खींचा रथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के

कीडगंज क्षेत्र में भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्तिभाव के साथ निकाली गई। रथ यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने रस्सी पकड़कर भगवान जगन्नाथ के रथ को अपने हाथों से खींचा। पूरे मार्ग में 'जय जगन्नाथ' के गगनभेदी जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। जगह-जगह लोगों ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पुष्प वर्षा से रथ यात्रा का स्वागत किया। रथ यात्रा में शामिल महेंद्र तिवारी ने बताया कि दूर-दूर से श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होने के लिए आते हैं और पूरे वर्ष इस पावन अवसर का इंतजार करते हैं। यात्रा के दौरान कीडगंज की सड़कों पर सामाजिक संगठनों, स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं द्वारा सेवा भाव का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। जगह-जगह श्रद्धालुओं के लिए शरबत, कचौड़ी-सब्जी एवं प्रसाद का वितरण किया गया, जिसे भक्तों ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। पूरे मार्ग में भक्ति, सेवा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

दुःखद

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़,तेज बारिश के बीच 10 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे

पुरी। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान

भगदड़ मच गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 100 से ज्यादा लोगों को घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे। यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद हैं। यात्रा मुख्य मंदिर से 3किमी दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी।

मध्य प्रदेश में सेन समाज का न्यायिक प्रतिनिधित्वः चुनौतियां, अवसर और भविष्य की रूपरेखा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भोपाल। प्रस्तावना किसी भी लोकतांत्रिक और प्रगतिशील समाज की रीढ़ उसकी न्याय प्रणाली और उसमें समाज की भागीदारी होती है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय' का संकल्प लिया गया है। इस संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए न्यायपालिका के भीतर समाज के हर वर्ग का आनुपातिक प्रतिनिधित्व होना अनिवार्य है। मध्य प्रदेश राज्य में सेन समाज की एक बड़ी आबादी निवास करती है, लेकिन जब हम जिला न्यायालयों और उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) के गलियारों में इस समाज के अधिवक्ताओं की उपस्थिति को देखते हैं, तो यह संख्या बेहद कम और नगण्य प्रतीत होती है। जनसंख्या के अनुपात में यह असंतुलन न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह सेन समाज के समग्र विकास की राह में एक बड़ा अवरोधक भी है। कानूनी शिक्षा, न्यायिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक चेतना के इस अंतर्संबंध को गहराई से समझना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। न्यायिक प्रतिनिधित्व की कमी से सेन समाज को होने वाले नुकसान न्यायपालिका में सेन समाज के अधिवक्ताओं की नगण्य संख्या होने के कारण समाज को बहुआयामी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिन्हें निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता हैः 1. न्याय तक पहुंच में व्यावहारिक कठिनाईः जब समाज का कोई गरीब, शोषित या कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति किसी कानूनी विवाद में फंसता है, तो अदालत का माहौल और कानूनी भाषा उसे भयभीत करती है। अपने समाज का वकील न होने के कारण वह अपनी बात खुलकर और बिना किसी संकोच के नहीं रख पाता। इससे न्याय प्राप्त करने की उसकी प्राथमिक प्रक्रिया ही बाधित हो जाती है। 2. आर्थिक और मानसिक शोषण की संभावनाः कानूनी बारीकियों की समझ न होने और किसी विश्वसनीय स्वजातीय मार्गदर्शक के अभाव में समाज के सीधे-साधे लोगों को अक्सर गलत सलाह दी जाती है। मुकदमों को जानबूझकर लंबा खींचा जाता है, जिससे समाज के लोगों का कीमती समय और गाढ़ी कमाई अदालती चक्करों में बर्बाद हो जाती है। 3. सामूहिक और नीतिगत पैरवी का अभावः अक्सर समाज के जमीनी मुद्दों, जैसे- सामुदायिक अधिकारों का हनन, आरक्षण, सामाजिक प्रताड़ना या सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही–पर जनहित याचिका (PIL) या मजबूत कानूनी पैरवी की आवश्यकता होती है। जब तक समाज के पास प्रखर और अनुभवी वकीलों की फौज नहीं होगी, तब तक इन बड़े मुद्दों को अदालतों में मजबूती से नहीं उठाया जा सकता। 4. असुरक्षा और आत्मविश्वास की कमीः किसी भी समाज का मनोबल इस बात से बढ़ता है कि शासन, प्रशासन और न्यायपालिका में उसके प्रतिनिधि मौजूद हैं। जब सेन समाज का कोई व्यक्ति न्यायालय जाता है और वहां अपने समाज के चेहरों को नदारद पाता है, तो उसमें एक अनजाना डर और व्यवस्था के प्रति अविश्वास की

भावना पैदा होती है। अधिवक्ताओं की संख्या वृद्धि से समाज को होने वाले लाभ यदि सुनियोजित प्रयासों से जिला अदालतों और हाई कोर्ट में सेन समाज के वकीलों की संख्या में वृद्धि होती है, तो इसके दूरगामी और सकारात्मक परिणाम सामने आएंगेः 1. सुलभ और त्वरित कानूनी सुरक्षाः समाज के प्रत्येक नागरिक को अपने आस-पास ही कानूनी सुरक्षा कवच मिल जाएगा। संकट के समय समाज के लोगों को यह भरोसा रहेगा कि उनकी पैरवी करने के लिए उनका अपना व्यक्ति मौजूद है, जो उनके हितों की रक्षा करेगा। 2. कानूनी साक्षरता और अधिकारों के प्रति चेतनाः अधिक संख्या में वकील होने का मतलब है समाज में कानून के जानकारों का बढ़ना। ये अधिवक्ता अपने-अपने क्षेत्रों में समाज के लोगों को उनके मौलिक अधिकारों, महिला अधिकारों, संपत्ति के अधिकारों और जनकल्याणकारी कानूनों के प्रति जागरूक कर सकते हैं। जागरूक समाज का शोषण करना असंभव होता है। 3. न्यायपालिका के उच्च पदों पर पहुंचः आज जो युवा जिला अदालतों में वकालत की शुरुआत करेंगे, वही कल चलकर वरिष्ठ अधिवक्ता बनेंगे। वे ही आगे चलकर जिला जज, सरकारी वकील (डीपीओ/एजी) और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश (जज) के पद तक पहुंचेंगे। न्याय की सर्वोच्च कुर्सियों पर समाज का प्रतिनिधित्व होना समाज के अस्तित्व को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है। विधि (Law) की शिक्षा और सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक उपलब्धियांः- सेन समाज के स्नातक (Graduate) युवाओं का विधि के क्षेत्र (LLB, LLM, CLAT) में जाना समाज के कायाकल्प की चाबी साबित हो सकता है। यह शिक्षा समाज को तीन मुख्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां दिला सकती हैः 1. सामाजिक क्षेत्र में बदलाव, कानून की शिक्षा व्यक्ति को तार्किक, निडर और संवेदनशील बनाती है। विधि स्नातक युवा समाज में व्याप्त कुप्रथाओं, रूढ़िवादिता और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ एक वैचारिक और कानूनी लड़ाई लड़ सकते हैं। वे समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं और बच्चों को सामाजिक न्याय दिलाने के माध्यम से समाज की प्रतिष्ठा को समाज के भीतर और बाहर स्थापित करेंगे। 2. आर्थिक सुदृढ़ता के नए द्वार वकालत केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र और कभी न मंदी का शिकार होने वाला व्यवसाय है। इसके अलावा, लॉ ग्रेजुएट्स के लिए करियर के असीमित रास्ते खुलते हैंः, न्यायिक सेवाः युवा 'सिविल जज' की परीक्षा उत्तीर्ण कर सीधे न्यायाधीश बन सकते हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्रः बड़ी कंपनियों, बैंकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में 'लीगल एडवाइजर' (कानूनी सलाहकार) के रूप में उच्च वेतन वाली नौकरियां पा सकते हैं। अकादमिक और अनुसंधानः विधि के क्षेत्र में प्रोफेसर या रिसर्चर बनकर सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं। इससे समाज का आर्थिक स्तर सुधरेगा और गरीबी का चक्र टूटेगा। 3. राजनीतिक नेतृत्व का उदय भारत के राजनीतिक इतिहास को देखें तो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर आधुनिक दौर के अनेक शीर्ष नेता कानूनी पृष्ठभूमि से रहे हैं। कानून की समझ रखने वाले व्यक्ति को राजनीतिक दल टिकट देने और संगठन में बड़ा पद देने में प्राथमिकता देते हैं क्योंकि वे विधानसभा और संसद में कानूनों पर बेहतर बहस कर सकते हैं। सेन समाज के युवा यदि कानून सीखेंगे, तो वे समाज का कुशल, प्रखर और प्रभावी राजनीतिक नेतृत्व करने में सक्षम होंगे। स्वजातीय अधिवक्ताओं से मधुर संबंध और प्राथमिकता का महत्व सेन समाज के आम नागरिकों और समाज के अधिवक्ताओं के बीच एक मजबूत, विश्वासपूर्ण और मधुर संबंध होना अनिवार्य है। इसके निम्नलिखित कारण और लाभ हैंः 1. सहानुभूति और संवेदनशीलता की भावनाः एक गैर-स्वजातीय वकील के लिए आपका केस केवल एक 'फाइल' हो सकता है, लेकिन समाज के अधिवक्ता के लिए आप उसके अपने हैं। वह आपके सामाजिक और पारिवारिक दर्द को बेहतर समझेगा और पूरी संवेदनशीलता के साथ अदालत के सामने आपकी बात रखेगा, 2. आर्थिक सहूलियत और रियायतः वकालत की फीस आज के समय में बहुत महंगी है। लेकिन जब समाज का व्यक्ति अपने समाज के वकील के पास जाता है, तो उसे एक नैतिक संबल मिलता है। स्वजातीय अधिवक्ता अक्सर समाज के गरीब और असहाय लोगों की मदद के लिए नाममात्र की फीस पर या निशुल्क (Pro Bono) केस लड़ने को तैयार रहते हैं. 3. परस्पर पूरकता (Mutual Growth)ः यदि सेन समाज के लोग अपने कानूनी मामलों में समाज के ही योग्य अधिवक्ताओं को प्राथमिकता देंगे, तो इससे उन वकीलों का काम बढ़ेगा। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और उनका नाम चमकेगा। जब समाज के वकील समृद्ध और स्थापित होंगे, तभी वे समाज के बड़े सामाजिक कार्यों, शिक्षा फंड और गरीब बच्चों की मदद के लिए खुलकर दान दे सकेंगे। यह एक ऐसा चक्र है जिससे समाज और अधिवक्ता दोनों मजबूत होते हैं। समाज के अधिवक्ता की विधि विषयक प्रसिद्धि से लाभ जब सेन समाज का कोई अधिवक्ता कानून के क्षेत्र में अपनी विद्वता, वाक्पटुता और ईमानदारी के लिए राज्य या देश के स्तर पर प्रसिद्ध होता है, तो उसका लाभ पूरे समाज को मिलता हैः सामूहिक गौरव की अनुभूतिः एक व्यक्ति की सफलता पूरे समाज का मस्तक ऊंचा कर देती है। समाज को एक नई पहचान मिलती है और अन्य समाजों के बीच सेन समाज की बौद्धिक क्षमता का लोहा माना जाता है। युवाओं के लिए प्रकाश स्तंभ (ि्दत श्दात्)ः जब समाज के बच्चे टेलीविजन, अखबारों या सोशल मीडिया पर अपने समाज के किसी वकील को बड़े-बड़े मुकदमों में जीत दर्ज करते हुए देखते हैं, तो उनके भीतर भी 'जज' या 'बैरिस्टर' बनने का सपना अंगड़ाई लेने लगता है। प्रसिद्ध अधिवक्ता नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत बनते हैं। प्रशासनिक और शासकीय प्रभावः कानून के क्षेत्र में प्रसिद्ध व्यक्ति का शासन, पुलिस प्रशासन और राजनीतिक गलियारों में बहुत सम्मान और प्रभाव होता है। यदि समाज के किसी व्यक्ति पर कोई अन्याय होता है, तो एक प्रभावशाली और प्रसिद्ध अधिवक्ता के केवल एक फोन या हस्तक्षेप से प्रशासन हरकत में आ जाता है। यह अदृश्य शक्ति समाज को एक सुरक्षा कवच प्रदान करती है। निष्कर्ष और भावी रणनीतिः- उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश में सेन समाज का न्यायिक क्षेत्र में कम प्रतिनिधित्व एक गंभीर समस्या है, लेकिन इसका समाधान पूरी तरह से समाज के हाथों में है। इस स्थिति को बदलने के लिए समाज को एक दीर्घकालिक और त्रि-स्तरीय रणनीति पर काम करना होगाः 1. चेतना और प्रोत्साहनः समाज के अभिभावक अपने बच्चों को केवल पारंपरिक पढ़ाई या नौकरियों तक सीमित न रखें। ग्रेजुएशन के बाद उन्हें 'लॉ' (विधि) को एक करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित करें 2. मार्गदर्शन और सहायताः समाज के सक्षम लोग और मौजूदा वरिष्ठ अधिवक्ता आगे आएं। वे एक 'सेन समाज विधि छात्र कोष' की स्थापना करें, जो मेधावी लेकिन गरीब बच्चों को क्लैट (CLAT) या एलएलबी की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति प्रदान कर सके। 3. संगठन का निर्माणः मध्य प्रदेश स्तर पर एक 'सेन समाज अधिवक्ता फोरम' का गठन किया जाना चाहिए। यह मंच राज्य भर के स्वजातीय वकीलों को एक सूत्र में पिरोएगा, लॉ के छात्रों को इंटर्नशिप देगा और समाज के गरीब लोगों के लिए समय-समय पर निःशुल्क कानूनी सहायता शिविर आयोजित करेगा। जब शिक्षा की शक्ति और न्याय का साथ मिलेगा, तभी सेन समाज सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकेगा। न्याय के मंदिर में समाज की गूंज ही आने वाले कल के स्वर्णिम भविष्य को लिखेगी।

भोपाल में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का 27वें स्थापना दिवस एवं पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भोपाल। भारतीय

राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का भोपाल (म.प्र.) में 15 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय अधिवेशन की मध्य प्रदेश के खेल-युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, डां. योगेंद्र कुमार मिश्र, पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डा.भगवान प्रसाद उपाध्याय, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष पुरूषोत्तम मिश्र, महासचिव राकेश शर्मा, देश-दर्शन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक प्रदीप सिंह, वरिष्ठ साहित्यकार चित्रकूट के बब्बाजी, एवं जनपद कौशांबी से महेंद्र सेन एवं विभिन्न राज्यों के अनेक पदाधिकारी-पत्रकारगण। सम्मान एवं पुस्तक-विमोचन, के साथ संपन्न हुआ।

डीएम ने गुण्डा एक्ट के तहत 08 व्यक्तियों को 06 माह के लिए किया जिला बदर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट सरनीत कौर ब्रोका ने अपने न्यायालय में सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1970 की धारा-03 के अंतर्गत 08 व्यक्तियों के विरुद्ध जिला बदर की कार्रवाई की गई। न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुसार संबंधित व्यक्तियों को 06 माह की अवधि के लिए जनपद रायबरेली की सीमा से बाहर निष्कासित किया गया है। जिला बदर किए गए व्यक्तियों में (1) राजवीर उर्फ राज पुत्र रामआसरे निवासी ग्राम निहुरी मजरा दीनशाहगौरा थाना गदागंज (2) अतिन्दर उर्फ मन्ना पुत्र स्वर्गीय जंगबहादुर सिंह निवासी ग्राम बरहा थाना खीरों (3) मो. कादर खान पुत्र शमशाद निवासी ममुनी थाना सलोन (4) संदीप कुमार शुक्ल पुत्र हरिकेश निवासी लोनापार मजरा डीघा थाना नसीराबाद (5) शैलेन्द्र सिंह पुत्र माताफेर निवासी ग्राम मोन थाना महराजगंज (6) सतेन्द्र सोनकर उर्फ राजा सोनकर पुत्र रामपाल सोनकर निवासी नई बस्ती देवानन्दपुर थाना मिलएरिया (7) लवकुश मौर्य पुत्र शिवराम मौर्य निवासी ग्राम पूरे लाला प्रथम मजरा अशरफपुर थाना नसीराबाद (8) अमित शुक्ला पुत्र इन्द्रनारायण शुक्ला निवासी ग्राम कोड़री पोस्ट घरई थाना सलोन जनपद रायबरेली शामिल हैं।

जनपद के विकास के खाके को मिली मंजूरी

डीएमएफ शासी परिषद की बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, स्टेडियम, गोसंरक्षण, जल निकासी और पर्यटन विकास की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को हरी झंडी

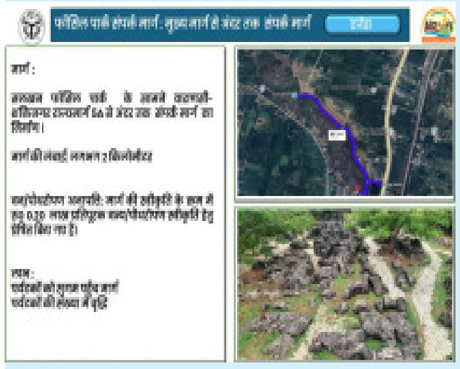

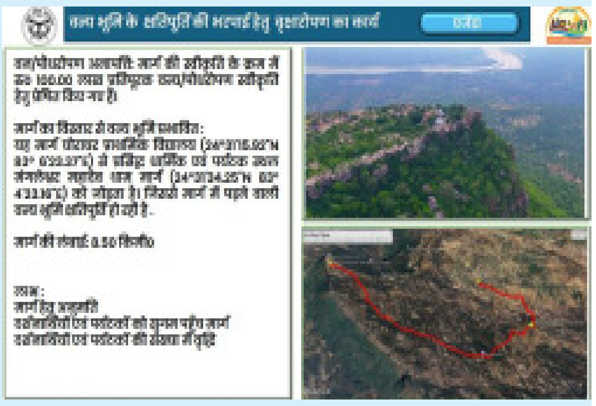

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास (डीएमएफ) की शासी परिषद की बैठक में खनिज प्रभावित क्षेत्रों के समग्र एवं सतत विकास के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की गयी, बैठक में मा0 सांसद श्री छोटेलाल खरवार, विधान परिषद सदस्य श्री विनीत सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री आशुतोष सिन्हा, जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी श्री वगीश कुमार शुक्ला, वरिष्ठ कोषाधिकारी श्री इन्द्रभान सिंह, ज्येष्ठ खान अधिकारी श्री कमल कश्यप सहित मा0 जनप्रतिनिधिगणों के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, सड़क, सिंचाई, जल निकासी, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, पर्यटन विकास तथा पशु संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए विकास का व्यापक खाका तैयार किया गया। बैठक में जिला स्वास्थ्य समिति की कार्ययोजना को मंजूरी देते हुए चिकित्सालयों एवं राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। वहीं परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में नए भवन, अतिरिक्त कक्ष, प्रयोगशालाएं, शौचालय, चहारदीवारी एवं अनुरक्षण कार्य कराए जाएंगे। ओबरा में खनन प्रशिक्षण विद्यालय की स्थापना तथा ग्रामीण युवाओं के लिए आधुनिक मिनी स्टेडियम के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार, कौशल विकास और खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिलेगी। बैठक में ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और संपर्क मार्गों के निर्माण, नगर क्षेत्रों में वैज्ञानिक ड्रेनेज प्रणाली विकसित कर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, किसानों के लिए चेकडैम निर्माण, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ऑयलसीड प्रसंस्करण इकाई की स्थापना तथा बेसहारा गोवंश के संरक्षण के लिए बृहद गोसंरक्षण केंद्र विकसित करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही मंगलेश्वर महादेव मार्ग एवं सलखन फॉसिल पार्क तक बेहतर संपर्क मार्ग विकसित करने और व्यापक वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यटन एवं पर्यावरण संरक्षण को भी नई गति देने की कार्ययोजना को मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन न्यास से शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, रोजगार, कृषि, पर्यटन एवं पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देते हुए सोनभद्र के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला रखी गयी है।

स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती, विद्यालयों का होगा कायाकल्प और युवाओं को मिलेंगी नई सुविधाएं,सड़क, जल निकासी, सिंचाई, गोसंरक्षण और पर्यटन विकास को मिलेगी नई गति,ओबरा में खनन प्रशिक्षण विद्यालय की होगी स्थापना/ग्रामीण युवाओं के लिए आधुनिक मिनी स्टेडियम के निर्माण को भी दी गई स्वीकृति,स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ऑयलसीड प्रसंस्करण इकाई की होगी स्थापना,कृषक बन्धुओं के सिंचाई व्यवस्था को बेहतर करने हेतु चेकडैम का होगा निर्माण,जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारियों की उपस्थिति में लिए गए अहम निर्णय,मंगलेश्वर महादेव मार्ग एवं सलखन फॉसिल पार्क तक बेहतर संपर्क मार्ग विकसित करने व्यापक वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यटन एवं पर्यावरण संरक्षण को भी नई गति देने की कार्ययोजना को मिली मंजूरी

जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद की सहकारी समितियों का किया गया औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान खाद वितरण में शिथिलता पाये जाने पर 6 समितियों के सचिवों के वेतन भुगतान पर लगी रोक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश पर जनपद में डीएपी, यूरिया उर्वरक वितरण को लेकर प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत बुधवार को समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों, अपर जिलाधिकारी/ उपजिलाधिकारी द्वारा सहकारी समितियों का व्यापक निरीक्षण किया गया।अधिकारियों ने भ्रमणशील रहकर समितियों पर उर्वरक उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान रामगढ़ बी0पैक्स कोन में वितरण में अनियमिताता पाये जाने पर सचिव के वेतन भुगतान पर रोक लगायी गयी इसी प्रकार से अरौली बी0 पैक्स, म्योरपुर बी पैक्स, चोपन बी पैक्स, कुरहर बी पैक्स, सहकारी समितियां बंद पाई गईं, जहां किसानों को डीएपी उर्वरक का वितरण नहीं किया जा रहा था। इस लापरवाही को देखते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित छह समितियों के सचिवों के वेतन भुगतान पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा है कि किसानों को डीएपी उर्वरक का वितरण पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित व्यवस्था के अनुसार कराया जाए। निरीक्षण के दौरान अन्य समितियों पर किसानों को खाद वितरित करते हुए पाया गया। उन्होंने कहा कि उर्वरक वितरण में किसी भी प्रकार की शिथिलता, अनियमितता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को नियमित रूप से सहकारी समितियों का निरीक्षण करने तथा किसानों को बिना किसी असुविधा के समयबद्ध रूप से उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि खरीफ सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डीएपी उर्वरक वितरण में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई,समितियों के सचिवों का वेतन रोका,किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

बीजपुर पुलिस का वारंटियों पर शिकंजा, तीन अभियुक्त गिरफ्तार कर भेजे गए न्यायालय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय प्रभाकर साहनी के कुशल निर्देशन तथा थानाध्यक्ष बीजपुर श्री राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना बीजपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान थाना बीजपुर पर पंजीकृत मु0नं0-2296/2009, धारा 419, 420 भादवि से संबंधित वारंटी अभियुक्त रामजनम पुत्र सन्त लाल एवं तेजबली पुत्र रामरतन जायसवाल, निवासीगण ग्राम पिण्डारी, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र को दिनांक 16.07.2026 को प्रातः लगभग 08:10 बजे उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में थाना बीजपुर पर पंजीकृत मु0नं0-3208/2019, धारा 323, 504, 506 भादवि से संबंधित वारंटी अभियुक्त बेचनराम पुत्र स्वर्गीय रामदास उर्फ दासाराम, निवासी ग्राम कस्बा बीजपुर, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र को दिनांक 16.07.2026 को प्रातः लगभग 08:56 बजे उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की समस्त कार्यवाही माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए संपन्न की गई। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर तीनों वारंटी अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्तों का विवरण- 1. रामजनम पुत्र सन्त लाल, उम्र लगभग 48 वर्ष, निवासी ग्राम पिण्डारी, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 2. तेजबली पुत्र रामरतन जायसवाल, उम्र लगभग 54 वर्ष, निवासी ग्राम पिण्डारी, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 3. बेचनराम पुत्र स्वर्गीय रामदास उर्फ दासाराम, उम्र लगभग 60 वर्ष, निवासी ग्राम कस्बा बीजपुर, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. थानाध्यक्ष श्री राजेश कुमार सिंह थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 2. उपनिरीक्षक सुरेन्द्र सिंह थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 3. उपनिरीक्षक दीनानाथ राम थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 4. हेड कांस्टेबल भानू प्रताप यादव थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र।5. आरक्षी देवकरन थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 6. आरक्षी प्रकाश कुमार थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हेतु निरंतर अभियान चलाकर वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर रही है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

मानसून में बढ़ते फूड पॉइजनिंग के केस, ये लक्षण इग्नोर न करें, बचाव के लिए सावधानियां, बता रहे हैं डॉक्टर

जयपुर। बारिश के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। इससे खाने-पीने की चीजों में बैक्टीरिया और वायरस जल्दी पनपते हैं। यही वजह है कि इस मौसम में फूड पॉइजनिंग ज्यादा

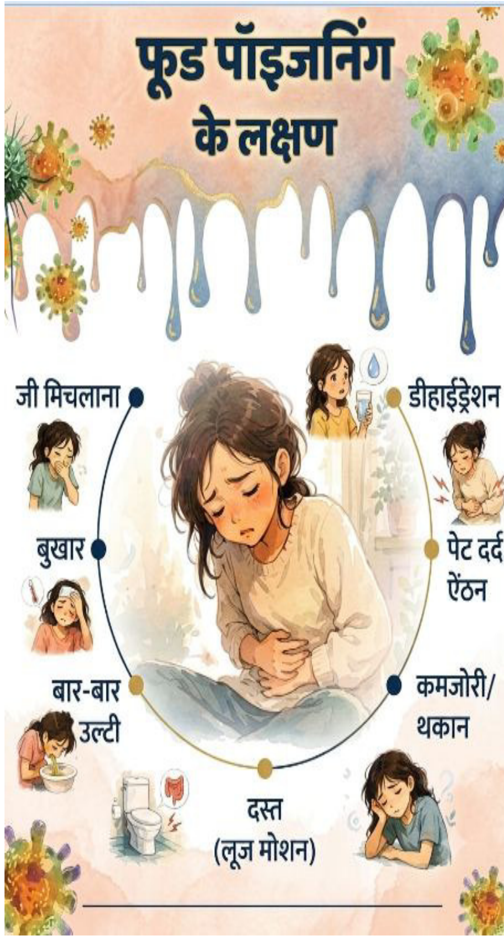

होती है। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स और 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (FSSAI) के मुताबिक, मानसून के दौरान ई.कोली और

सल्मोनेला जैसे बैक्टीरिया तेजी से फैलते हैं। बढ़ी हुई नमी, जलभराव और दूषित भोजन-पानी इसके मुख्य कारण हैं। इस कारण फूड पॉइजनिंग, डायरिया और हैजा के मामले बढ़ जाते हैं। हालांकि कुछ बुनियादी सावधानियां अपनाकर इन बीमारियों के रिस्क से बचा जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में हम फूड पॉइजनिंग के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- फूड पॉइजनिंग के लक्षण क्या हैं? बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. बृज वल्लभ शर्मा, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फूड पॉइजनिंग क्या है? जवाब- फूड पॉइजनिंग दूषित भोजन-पानी से होने वाला संक्रमण है। यह बैक्टीरिया, वायरस, पैरासाइट या उनके टॉक्सिन्स के कारण होता है। सवाल- फूड पॉइजनिंग क्यों होती है? जवाब- फूड पॉइजनिंग मुख्य रूप से दूषित भोजन और पानी से होती है। दूषित पानी पीने से। स्ट्रीट फूड खाने से। खुले में रखा फूड खाने से। बासी खाना खाने से। अधपका मीट, अंडा खाने से। बिना धुले फल-सब्जियां खाने से। बिना हाथ धुले खाना पकाने से। गलत फूड स्टोरेज से। एक्सपायर्ड फूड खाने से। बिना हाथ धुले खाने से। कच्चा-पका खाना साथ रखने से। सवाल- मानसून में फूड पॉइजनिंग के केसेज क्यों बढ़ जाते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- मानसून में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। यह बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के पनपने के लिए अनुकूल माहौल बनाता है। इस कारण खाना जल्दी खराब होता है। इसे खाने से फूड पॉइजनिंग का रिस्क बढ़ता है। बारिश के दौरान पानी भी जल्दी दूषित होता है। सब्जियां, फल, स्ट्रीट फूड और खुले में रखा खाना गंदे पानी या मक्खियों के संपर्क में आता है। इससे संक्रमण का रिस्क बढ़ जाता है। मानसून में डाइजेस्टिव सिस्टम भी थोड़ा स्लो होता है। इससे शरीर संक्रमण से मजबूती के साथ नहीं लड़ पाता है। सवाल- फूड पॉइजनिंग के लक्षण क्या हैं? जवाब- फूड पॉइजनिंग की शुरुआत में उल्टी और दस्त जैसे लक्षण दिखते हैं। समय पर ध्यान न देने से लक्षण गंभीर हो सकते हैं। जी मिचलाना, बुखार, बार-बार उल्टी दस्त (लूज मोशन) डीहाइड्रेशन, पेट दर्द, ऐंठन, कमजोरी/थकान। सवाल- फूड पॉइजनिंग के लक्षण कितने समय में दिखते हैं? जवाब- इसके लक्षण आमतौर पर कुछ घंटों से लेकर 1-2 दिन के भीतर दिखते हैं। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि संक्रमण किस बैक्टीरिया या वायरस से हुआ है। कुछ मामलों में 2-6 घंटे में उल्टी-दस्त शुरू हो सकते हैं। कई बार 12-24 घंटे बाद लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ इन्फेक्शन के लक्षण 2-3 दिन बाद भी दिखाई दे सकते हैं। सवाल- किन लोगों को फूड पॉइजनिंग का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- इन लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जिनकी इम्यूनिटी कमजोर है। जिन्हें कोई हेल्थ कंडीशन (डायबिटीज, किडनी डिजीज) है। जो बाहर का खाना या स्ट्रीट फूड ज्यादा खाते हैं। छोटे बच्चे (खासकर 5 साल से कम उम्र)। बुजुर्ग (60 साल से ऊपर)। गर्भवती महिलाएं। सवाल- बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचने के लिए क्या करें? जवाब- इसके लिए साफ-सफाई, सही भोजन का चुनाव और स्टोरेज का ध्यान रखना सबसे जरूरी है। छोटी-छोटी सावधानियां हमें इस समस्या से बचा सकती हैं। ताजा, गर्म खाना खाएं। बचा खाना तुरंत फ्रिज में रखें। उबला/फिल्टर्ड पानी पिएं। फल-सब्जियां धोकर खाएं। खाने से पहले हाथ धोएं। खाना पकाने से पहले हाथ धोएं। कच्चा-पका खाना अलग रखें। लंबे समय से कटे फल न खाएं। फास्ट फूड, जंक दोबारा खाने से फूड न खाएं। पहले गर्म करें। स्ट्रीट फूड खुले में बन रहा जूस न पिएं। सवाल- बारिश में फूड पॉइजनिंग से बचाव के लिए खानपान में क्या बदलाव करें? जवाब- सही खानपान ही फूड पॉइजनिंग से बचाव का आसान तरीका है। नीचे देखें कि इस मौसम में क्या खाएं और क्या न खाएं। क्या खाएं- ताजा, गरम और अच्छी तरह पका हुआ खाना। घर का बना खाना। दाल, खिचड़ी, सूप जैसी हल्की डाइट। उबली या स्टीम की हुई सब्जियां। दही, छाछ जैसे प्रोबायोटिक। उबला/फिल्टर किया हुआ पानी। मौसमी फल (अच्छे से धोकर)। क्या न खाएंः- खुले में रखा खाना। स्ट्रीट फूड। बासी खाना। खुले में रखे कटे हुए फल। अधपका मीट, अंडा या सीफूड। ज्यादा तला-भुना और मसालेदार खाना। पैकेज्ड फूड। बिना धुले फल-सब्जियां। सवाल- अगर बाहर खाना मजबूरी हो तो किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- बाहर ऐसी जगह खाएं, जहां साफ-सफाई का ध्यान रखा जाता हो। इसके अलावा कुछ बातों का ध्यान रखें- बहुत ज्यादा भीड़भाड़ वाली जगह न जाएं। खाना खाने से पहले हाथ जरूर धोएं। बोतलबंद या पैक्ड पानी ही पिएं। ताजा और गरम खाना ही ऑर्डर करें। खुले में रखा या पहले से बना खाना न लें। कच्चा सलाद, कटे फल और चटनी न लें। खाने का स्वाद अजीब हो तो तुरंत छोड़ दें। बर्फ वाले ड्रिंक्स न पिएं। कच्चा या अधपका नॉनवेज न खाएं। एक्सपायरी डेट देखकर ही पैक्ड फूड खरीदें। सवाल- मानसून में घर में खाना स्टोर करते समय क्या सावधानियां बरतें? जवाब- खाना स्टोर करते समय बरतें ये सावधानियां- पका हुआ खाना ठंडा होने के बाद ही फ्रिज में रखें।खाने को एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें। कच्चा और पका खाना अलग-अलग रखें। फ्रिज का तापमान सही रखें (लगभग 4डिग्री)। बासी या स्मेल वाला खाना तुरंत फेंक दें। फ्रिज और किचन की नियमित सफाई करें। बार-बार गर्म करके खाना स्टोर न करें। बारिश में फूड पॉइजनिंग का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए उल्टी, दस्त या बुखार को नजरअंदाज न करें। साफ पानी पिएं, ताजा खाना खाएं। लक्षण बढ़ें या 24-48 घंटे में राहत न मिले तो तुरंत डॉक्टर से मिलें। सवाल- अगर फूड पॉइजनिंग हो जाए तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में शरीर को हाइड्रेट रखना और डाइजेस्टिव सिस्टम को आराम देना जरूरी है। हल्के लक्षणों में घर पर देखभाल से सुधार हो सकता है, लेकिन समस्या बढ़ने पर डॉक्टर से कंसल्ट करें। फूड पॉइजनिंग में इन बातों का ध्यान रखें- ज्यादा से ज्यादा पानी, ओआरएस या नारियल पानी लें। हल्का और सुपाच्य खाना (खिचड़ी, दही, सूप) खाएं। शरीर को पर्याप्त आराम दें। खुद से एंटीबायोटिक या अन्य दवाएं न लें। सवाल- फूड पॉइजनिंग का इलाज कैसे होता है? जवाब- इसका इलाज लक्षणों की गंभीरता पर निर्भर करता है, जैसेकि- डॉक्टर शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ओआरएस देते हैं। उल्टी और दस्त कंट्रोल करने के लिए दवाएं देते हैं। बैक्टीरियल इन्फेक्शन में एंटीबायोटिक देते हैं। ज्यादा कमजोरी या डिहाइड्रेशन में ड्रिप (आईवी फ्लूड) लगाया जा सकता है। सवाल- डॉक्टर को कब दिखाएं? जवाब- फूड पॉइजनिंग के इन लक्षणों को इग्नोर न करें, क्योंकि ये गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकते हैं। इन स्थितियों में डॉक्टर को जरूर दिखाएं- बार-बार उल्टी हो। दस्त के साथ ब्लीडिंग हो। तेज बुखार (103°F से ज्यादा) हो। डीहाइड्रेशन (चक्कर, सूखा मुंह, कम पेशाब) हो।

वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप नए फॉर्मेट में होंगे, वनडे में सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 से, टी-20 में सुपर-10 से तय होंगे और भी कुछ नियम..

स्पोर्ट्स डेस्क। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप और 2028 का टी-20 वर्ल्डकप नए फॉर्मेट में होगा। वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमों के साथ नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट लागू होगा, जिसमें सेमीफाइनलिस्ट सुपर-7 राउंड से चुने जाएंगे। अब तक यह सुपर-6 से चुने जाते थे। वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप में सुपर-8 की जगह सुपर-10 स्टेज खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दो नए एलिमिनेटर मुकाबले भी जोड़े गए हैं। आईसीसी ने बुधवार को नए फॉर्मेट में बदलावों को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नया क्वालिफिकेशन स्ट्रक्चर बनाया गया है। इनका ऐलान एडिनबर्ग में हुई आईसीसी की सालाना बैठक (एजीएम) के बाद किया गया। वनडे वर्ल्डकप में 14 टीमें ही हिस्सा लेंगी-वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमें ही खेलेंगी, लेकिन फॉर्मेट को थ्री-स्टेज में बदल दिया गया है। नए फॉर्मेट में सबसे पहले सुपर सीरीज खेली जाएगी। इसमें

रैंकिंग की आखिरी तीन टीमें (12, 13 और 14) राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में आमने-सामने होंगी और एक टीम दूसरे राउंड में पहुंचेगी। दूसरे राउंड में 12 टीमें ही होंगी। 6-6 टीमों के दो ग्रुप होंगे, जिनमें कुल 30 मैच खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें और दोनों ग्रुप को मिलाकर एक बेस्ट (सातवीं) टीम तीसरे राउंड यानी सुपर-7 में पहुंचेगी। सुपर-7 में सभी सात टीमें आपस में राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में कुल 21 मैच खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल (1 बनाम 4 और 2 बनाम 3) में पहुंचेंगी। इनकी विजेता टीमें फाइनल खेलेंगी। 2027 वनडे वर्ल्ड कप में ऐसे तय होंगी 14 टीमें- 2027 वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें खेलेंगी। इनमें दो मेजबान (साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे), रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वालिफाई करने वाली टॉप-8 टीमें और वर्ल्ड कप क्वालिफायर से आने वाली टीमें शामिल होंगी। तीसरे होस्ट नामीबिया को भी क्वालीफायर खेलना होगा। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इन 14 टीमों में सबसे निचली रैंक वाली तीन टीमें (12वीं, 13वीं और 14वीं) राउंड-1 खेलेंगी, जिसमें सिर्फ एक टीम अगले दौर में पहुंचेगी। इसके बाद बाकी 11 टीमों के साथ मिलकर 12 टीमें दो ग्रुप (6-6) में खेलेंगी। दोनों ग्रुप से टॉप-3 और चौथे स्थान पर रहने वाली दोनों टीमों में से बेहतर एक टीम सुपर-7 में पहुंचेगी। सुपर-7 की सातों टीमें राउंड-रॉबिन मुकाबले खेलेंगी, जहां से टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल और फिर फाइनल के जरिए चैंपियन तय करेंगी।पुराने फॉर्मेट में दो ग्रुप और सुपर सिक्स स्टेज होती थी-पुराने फॉर्मेट में 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, जिनमें कुल 42 मैच खेले जाते थे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें सुपर सिक्स में पहुंचती थीं। सुपर सिक्स में 3-3 टीमों के दो ग्रुप बनते थे, जहां कुल 9 मैच खेले जाते थे। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल और फिर फाइनल में पहुंचती थीं।

बेटा बड़ा हो रहा है, डरती हूं, कहीं गलत संगत में न पड़ जाए, उसे सही-गलत में फर्क करना, अच्छे दोस्त चुनना कैसे सिखाएं

मुंबई। सवाल- मैं लखनऊ से हूं। मेरा बेटा 12 साल का है। हाल ही में उसका स्कूल बदला है। उसने वहां कुछ नए दोस्त बनाए हैं और अब उन्हीं के साथ ज्यादा समय बिताता है। एक मां होने के नाते मुझे खुशी है

कि वह घुल-मिल रहा है, लेकिन यह चिंता भी रहती है कि कहीं वह गलत संगत में न पड़ जाए। मैं हर दोस्त की जांच-पड़ताल भी नहीं करना चाहती। मेरा सवाल ये है कि बच्चों को कैसे समझाएं कि कौन-सी दोस्ती उनके लिए अच्छी है? किस तरह के लोगों से दूरी बनाना बेहतर है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- रिद्धि दोषी पटेल, चाइल्ड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट, मुंबई जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से अब ऊपर दिए प्रश्न का उत्तर- जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपकी चिंता स्वाभाविक है। जब बच्चा नए स्कूल में जाता है तो नए माहौल में खुद को एडजस्ट करता है और नए दोस्त बनाता है। ऐसे में लगभग हर माता-पिता के मन में यही सवाल आता है कि उसके नए दोस्त कैसे होंगे और उनका उस पर क्या असर पड़ेगा। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि 12-14 साल की उम्र बच्चों के सोशल डेवलपमेंट की सबसे अहम स्टेज होती है। इस उम्र में बच्चे धीरे-धीरे परिवार से बाहर अपनी पहचान बनाना शुरू करते हैं। वे दोस्तों के साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं, उनकी राय को महत्व देने लगते हैं और कई बार उनके जैसा बनने की कोशिश भी करते हैं। यही कारण है कि इस उम्र में बच्चे के दोस्त उसके व्यवहार, आत्मविश्वास, पढ़ाई और निर्णय लेने की क्षमता पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का लक्ष्य बच्चे के लिए अच्छा दोस्त चुनने की बजाय अपने बच्चे को इतना समझदार बनाना होना चाहिए कि वह खुद अच्छे और बुरे में फर्क कर सके। बच्चों के पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में दोस्तों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अच्छे दोस्त बच्चों में आत्मविश्वास, सहयोग और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। जबकि गलत संगत पर्सनैलिटी पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। इसलिए पेरेंट्स को हमेशा मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। बच्चों के जीवन में दोस्ती का प्रभाव- जब बच्चा छोटा होता है, तब उसके लिए माता-पिता सबसे बड़े रोल मॉडल होते हैं। लेकिन जैसे-जैसे वह टीनएज के करीब पहुंचता है, उसकी जिंदगी में दोस्तों की भूमिका बढ़ने लगती है। इस उम्र में बच्चा चाहता है कि- उसे स्वीकार किया जाए। वह किसी ग्रुप का हिस्सा बने। लोग उसे पसंद करें। उसके ढेर सारे दोस्त बनें। इसी वजह से कई बार बच्चे दोस्तों की आदतें, भाषा, व्यवहार, रुचियों और शौक को अपनाने लगते हैं। यह विकास का सामान्य हिस्सा है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा दोस्ती में बने रहने के लिए अपनी समझ और मूल्यों को नजरअंदाज करने लगता है। अच्छा दोस्त कैसा होता है? अक्सर माता-पिता बच्चों को यह बताते हैं कि किससे दोस्ती नहीं करनी चाहिए। लेकिन उससे ज्यादा जरूरी यह बताना है कि अच्छी दोस्ती कैसी होती है। आप बेटे से बातचीत के दौरान पूछ सकती हैं- ''क्या दोस्त तुम्हारी इज्जत करता है?'' ''क्या वह तुम्हारी बात सुनता है?'' ''क्या उसके साथ रहने पर तुम्हें अच्छा महसूस होता है?'' जब बच्चा इन सवालों पर सोचता है, तो वह धीरे-धीरे दोस्ती की क्वालिटी को समझना शुरू करता है। हमें बच्चों को ये बताना चाहिए कि एक अच्छे दोस्त की पहचान क्या होती है। अच्छे दोस्त की पहचान-सम्मान करता हो। भरोसेमंद हो। सच बोलता हो। मदद करने वाला हो। गलत कामों से बचाए। मजाक न उड़ाए। भावनाओं की कद्र करे। आपकी सफलता से खुश हो। मुश्किल समय में साथ दे। सकारात्मक सोच रखता हो। दोस्ती में सम्मान और भरोसा जरूरी-कई बच्चे सोचते हैं कि जो उनके साथ सबसे ज्यादा समय बिताता है, वही उनका सबसे अच्छा दोस्त है। लेकिन असल में अच्छी दोस्ती का आधार सम्मान और भरोसा होता है। उसे बताएं कि एक अच्छा दोस्त- 'आपका मजाक नहीं उड़ाता।' 'आपकी कमजोरियों का फायदा नहीं उठाता।' 'आपकी सफलता से जलता नहीं है।' 'गलत काम के लिए दबाव नहीं डालता है।' 'जरूरत पड़ने पर आपके साथ खड़ा रहता है।' साथ ही बच्चे को समझाएं कि दोस्ती में डर, दबाव या अपमान की कोई जगह नहीं होती है। बच्चे के दोस्तों में दिखाएं रुचि- बहुत से माता-पिता बच्चे के दोस्तों में रुचि नहीं दिखाते, जबकि इससे बच्चे को इमोशनल सपोर्ट मिलता है। आप बच्चे से पूछ सकते हैं- 'आज स्कूल में किसके साथ बैठे थे?' 'तुम्हें उसमें क्या अच्छा लगता है?' 'तुम लोग साथ में क्या करते हो?' जब बच्चा महसूस करता है कि आप उसकी दोस्ती को समझना चाहते हैं, तब वह खुलकर बातें करता है। बच्चे की जासूसी न करें-कई बार पेरेंट्स बच्चे के दोस्तों को जानने-समझने के लिए जासूसी करते हैं या हमेशा पूछताछ करते रहते हैं। ये हेल्दी तरीका नहीं है। बच्चे के दोस्त कैसे हैं, उसकी संगत कैसी है, इसे परखने के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं, जैसेकि-दोस्तों को घर बुलाएं। उनके साथ खेलें, बातें करें। खुलकर बातचीत करें। उनका बैकग्राउंड समझें। उनके पेरेंट्स के बारे में जानें। बिना जजमेंट के उन्हें सुनें। आप भी प्यार, मदद उनके दोस्त बनें। का हाथ बढ़ाएं स्कूल एक्टिविटीज में रुचि लें। कैसे समझें, बच्चा बुरी संगत में है? टीनएज में बच्चे दोस्तों से बहुत कुछ सीखते हैं। लेकिन अगर नए दोस्त बनाने के बाद बच्चे के व्यवहार, आदतों या सोच में नकारात्मक बदलाव दिखे तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि बच्चे की संगत ठीक नहीं है। गलत संगत के वॉर्निंग साइन- झूठ बोलना। बातें छिपाना। पढ़ाई में रुचि कम होना। जिम्मेदारियों से बचना। घर के नियम तोड़ना। गलतियां न मानना। गाली- गलौज करना। दूसरों को परेशान आक्रामक व्यवहार करना। अगर बच्चे में ये संकेत दिखें तो सतर्क हो जाएं। डांटने की बजाय बच्चे से खुलकर बात करें। संगत खराब हो तो क्या करें? पहले स्थिति को समझने की कोशिश करें। आपका उद्देश्य दोस्ती खत्म कराना नहीं, बल्कि बच्चे को सही-गलत समझने में मदद करना होना चाहिए। इसके लिए कुछ कदम उठा सकते हैं- प्यार से बातचीत करें। सही-गलत का फर्क समझाएं। घर में भरोसे का माहौल बनाएं। बच्चे की बात ध्यान से सुनें। पीयर प्रेशर पर चर्चा करें। खुद अच्छे रिश्तों के उदाहरण दें। दोस्तों के बारे में बात करें। बच्चे को निर्णय लेना सिखाएं। जरूरत से ज्यादा कंट्रोल न करें। स्कूल काउंसलर की मदद लें। पेरेंट्स की कॉमन गलतियां- कई बार माता-पिता बच्चे के दोस्तों को बिना जाने-समझे जज कर लेते हैं। इससे बच्चा अपनी सोशल लाइफ छिपाने लगता है और पेरेंट्स से दूर होने लगता है। इसलिए इन गलतियों से बचें-हर दोस्त को बुरा मान लेना। दोस्ती पर पूरी रोक लगा देना। बच्चे की बात सुने बिना फैसला करना। दूसरों बच्चों से तुलना करना। दोस्तों का अपमान करना। हर समय निगरानी रखना। बिना वजह शक करना। दोस्तों के सामने बच्चे को शर्मिंदा करना। अपनी पसंद बच्चे पर थोपना। अंत में यही कहूंगी कि दोस्ती बच्चे की पर्सनैलिटी को शेप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए माता-पिता का काम हर दोस्त को कंट्रोल करना नहीं, बल्कि बच्चे को अच्छे और बुरे प्रभाव में फर्क करना सिखाना है। जब घर में भरोसे और बातचीत का माहौल होता है, तो बच्चा किसी भी परेशानी या गलत प्रभाव के बारे में खुलकर बात करने में सहज महसूस करता है। यही भरोसा उसे सही दोस्त चुनने और जीवन में बेहतर फैसले लेने में मदद करता है।

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी

नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन को भी बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती है। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराता है। पेड़ और ग्रीन बेल्ट हवा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, इलाकों को ठंडा रखते हैं और शहरों को रहने के लिए अधिक सुखद बनाते हैं। लेकिन जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य केवल यही नहीं है। यह लोगों को गर्म होती पृथ्वी के पहले से स्पष्ट हो चुके प्रभावों से सुरक्षित रखने का भी प्रयास है। लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों का सबसे पहले सामना कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्याधिक गर्मी तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अनुकूल बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम्स बढ़ते तापमान के प्रति शहरों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिसका सबसे अधिक लाभ बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों को मिलता है। आज दुनिया के कई बड़े शहरों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटा है, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ती रही है। इसके अलावा, तमाम तरह के शहर मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की है। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी

जलवायु लक्ष्य अपनाए हैं और उन्हें अधिक तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। फिर भी, यदि उन्हें अधिक सहयोग मिले तो वे और तेजी से तथा अधिक व्यापक स्तर पर काम कर सकते हैं। उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता और फंडिंग तक पहुंच की तत्काल आवश्यकता है। अनेक स्थानीय निकायों के पास अब भी इतने संसाधन नहीं हैं कि वे जलवायु परियोजनाओं की पहचान, विकास और क्रियान्वयन कर सकें। साझेदारी से इन जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। सिटी क्लाइमेट फाइनेंस गैप फंड- जिसे जीसीओएम और विश्व बैंक का समर्थन प्राप्त है- पहले ही ऐसी परियोजनाएं विकसित करने में शहरों को सहायता दे रहा है, जो निवेश को आकर्षित कर सकें और आबादी को लाभ पहुंचा सकें। पिछले कुछ वर्षों में इसने 1,400 से अधिक शहरों को जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्रवाई में बदलने में सहायता प्रदान की है। राष्ट्रीय सरकारें अब जलवायु परिवर्तन से निपटने में शहरों की क्षमता को तेजी से स्वीकार कर रही हैं। लेकिन इसे केवल शुरुआत माना जाना चाहिए। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,माइकल ब्लूमबर्ग)

किसी दिन 'कोडी' कई बुजुर्गों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होगा

अगर आपकी उम्र 60 से ज्यादा है और आपकी देखभाल करने के लिए कोई नहीं है,

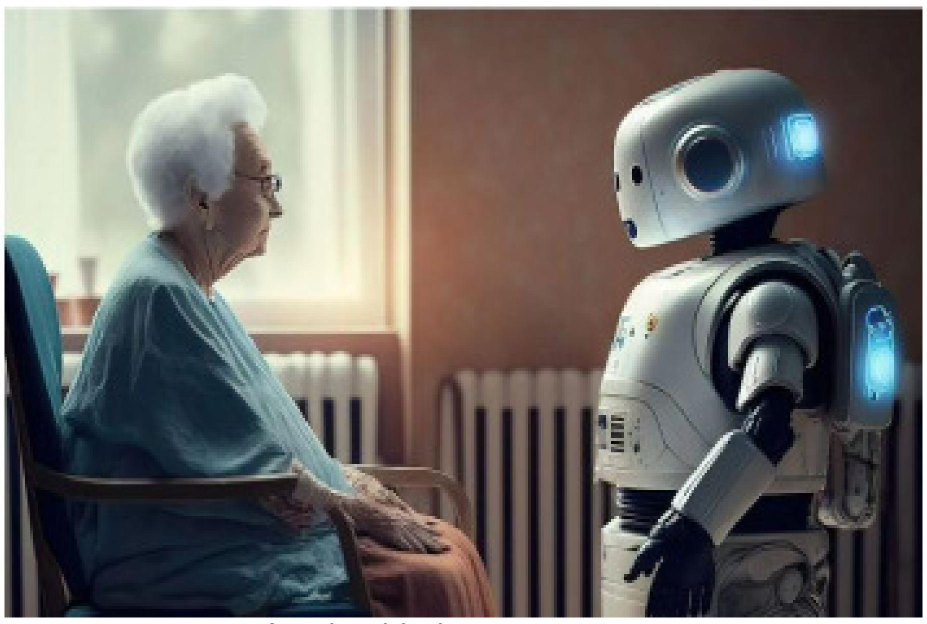

लेकिन आप किसी ओल्ड-एज होम में भी नहीं जाना चाहते हैं, और उसके बजाय अपने ही घर में रहना चाहते हैं तो ऐसा सोचने वाले आप अकेले नहीं हैं। अक्टूबर 2025 में दक्षिण कोरिया में हुआ अध्ययन कहता है कि 95इ से अधिक बुजुर्ग मनोवैज्ञानिक फायदों के चलते हमेशा उसी घर में उम्र बिताना पसंद करते हैं, जहां दशकों से रहते आए हैं। दक्षिण कोरिया सबसे तेजी से बुजुर्ग होती आबादी वाले देशों में एक है और पिछले साल वह 'सुपर-एज्ड सोसाइटी' बन गया। लेकिन उन लोगों का क्या होगा, जिनके बच्चे दूसरे शहरों में या विदेश चले गए हैं या शादी के बाद आपके घर से चले गए? उनकी जगह 'कोडी' लेगा। सोच रहे हैं कि 'कोडी' कौन है? तो आगे पढ़िए। हम इंसान जहां चंद महीने में बच्चों को जन्म दे सकते हैं, जो बड़े होकर हमारी देखभाल करते हैं, वहीं 'कोडी' के पैरेंट्स को उसे दुनिया के सामने लाने में लगभग तीन साल लग गए। इंसानी जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए 'कोडी' का विचार क्रिस कुडिया और बेन गोर्टजेल के दिमाग में आया था। 'कोडी' का मुस्कराता हुआ चेहरा है, हालांकि उसकी चमकीली भूरी आंखें आपको असहज कर सकती हैं। उसका तीन फीट का फ्रेम, शरारती मुस्कान के साथ चेहरे के दोस्ताना भाव उसे सहज बनाते हैं। हां, वह अमेरिका के सिएटल की कंपनी 'माइंड चिल्ड्रन' का एक ह्यूमनॉइड रोबोट है। 11 जून को उसने अमेरिकी अखबार को इंटरव्यू दिया। उससे पूछा गया कि उसके सामने क्या है। बच्चों जैसी आवाज में उसने तुरंत कहा कि 'स्क्रीनों वाला एक वर्कप्लेस, जहां कुछ नोट्स और रोजमर्रा की चीजें हैं। यह किसी क्लासिक लैब जैसा सेटअप दिखता है, जो विचारों को जीवन में उतारने की अच्छी जगह जैसा लगता है।' हालांकि आज वह चाय का कप भी नहीं उठा सकता, लेकिन वह आश्वस्त है कि अगले 10 साल में वह सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ कर पाएगा। वह कहता है, 'शायद तब तक मैं एलेवेटर के दरवाजे भी खोल सकूंगा।' उसके को-फाउंडर्स को भी भरोसा है कि यह रोबोट स्कूलों, अस्पतालों, होटलों और घरों का हिस्सा बनेगा। लोगों को सीखने, जुड़ने और कम अकेलापन महसूस करने में मदद करेगा। लेकिन को-फाउंडर्स का मानना है कि उससे पहले 'कोडी' को कई बाधाएं पार करनी होंगी। 'माइंड चिल्ड्रन' कंपनी ने इसके विकास के अगले चरण के लिए क्राउडफंडिंग शुरू कर दी है। उसे उम्मीद है कि एक बार लॉन्च होने पर वह इसे इतना सस्ता बना देगी कि अकेले रहने वाले वयस्क इसे खरीद सकें। जब भी ऐसी नई तकनीक बाजार में आती है तो शुरू में वह बेहद अमीर लोगों का खिलौना बन जाती है। आज कुछ होम-रोबोट 20 हजार डॉलर में बिक रहे हैं, लेकिन को-फाउंडर्स चाहते हैं कि 'कोडी' की कीमत 10 हजार डॉलर ही हो। दोनों को भरोसा है कि वे 'कोडी' के ऐसे इस्तेमाल के बेहद करीब है, जहां वह बुजुर्गों की देखभाल कर सके और उनके अकेलेपन से लड़ सके। होटलों और आर्ट गैलरियों में इसकी पायलट स्टडी चल रही है, ताकि इसके विकास के लिए जरूरी डेटा जुटाए जा सकें। फिर 2027 में 'कोडी' का दूसरा संस्करण तैयार किया जाएगा। ऐसे विश्व में, जहां ह्यूमनॉइड मशीनें दुनिया की समझ से भी तेज गति से बढ़ रही हैं, यह हैरानी की बात नहीं होगी कि आने वाले वर्षों में बच्चों से दूर रहने वाले पैरेंट्स या निःसंतान लोगों को 'कोडी' जैसे रोबोट उपहार में दिए जाने लगें। 'कोडी' पहले से ही आंखों से आंखों का संपर्क करने और भावनात्मक स्थितियों पर प्रतिक्रिया देने में बेहतर है। वह आसपास का माहौल भी समझता है। चंद और कदमों के बाद वह जीवनभर आपकी देखभाल करने वाला 'सौतेला बेटा' बन सकता है। ऐसा कितनी जल्दी होगा, उसके को-फाउंडर्स बता सकते हैं। महज 10 साल पहले ही क्या हमने कभी सोचा था कि 25 हजार रुपए की 'रूम्बा' मशीन हमारे घरों में झाड़ू-पोंछा करने वाली मेड की जगह ले लेगी? आज रूम्बा आधुनिक शहरी घरों, यहां तक कि मध्यमवर्गीय परिवारों में भी मौजूद है। मेड अब कुक बन कर ज्यादा कमाई कर रही हैं और मशीनें दिन के किसी भी समय बिना शिकायत अपना काम कर रही हैं। फंडा यह है कि आधुनिक मशीनें इंसानों द्वारा निर्मित खालीपन को भरने में पर्याप्त समझदार हो रही हैं। लेकिन क्या वे हमारी भावनात्मक जरूरतों को भी पूरा कर पाएंगी? जवाब सिर्फ समय ही देगा। एन. रघुरामन

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा

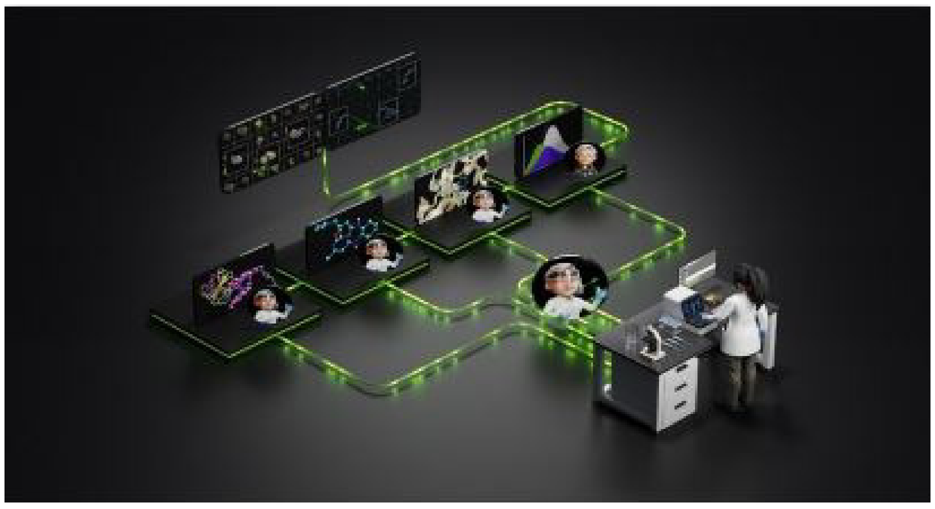

है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटर्स की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है :

1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटर्स स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है।

2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेनदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है।

3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटर्स से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा।

4. डेटा सेंटर्स को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेट के बैकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है।

इनसे चेर्नोबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटर्स की वजह में ऊर्जा के साथ विदेशी मुद्रा का संकट गहरा सकता है।

5. गर्मी के उत्सर्जन और रैडिएशन की वजह से अमेरिका में डेटा सेंटर बंद करने का आंदोलन चल रहा है। दुनिया के सबसे गर्म 100 शहरों वाले भारत में नदियां और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से ग्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटर्स की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख्वाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बेरोजगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटर्स की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसार डेटा सेंटर्स में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

चुनावों में बेतहाशा खर्च भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है

चुनाव लड़ना एक महंगा काम है। भारत में लोकसभा या विधानसभा का चुनाव लड़ने के लिए पार्टियों को दो प्रमुख आवश्यकताएं होती हैं। पहली, अपने उम्मीदवार के चुनाव-प्रचार के लिए बड़े पैमाने पर धन जुटाना। दूसरी, अपनी सीटें बढ़ाने के लिए विपक्ष के उम्मीदवारों को अपने पक्ष में करना। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान पांच राष्ट्रीय और 21 क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को दानदाताओं से आधिकारिक रूप से कुल 7,445 करोड़ रुपए मिले थे। यह चुनावी फंडिंग का वैध हिस्सा है। व्यावसायिक कंपनियों और व्यक्तियों के लिए दलों को डोनेट करने की अनुमति देने वाली विवादास्पद इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को फरवरी 2024 में उच्चतम न्यायालय ने निरस्त कर दिया था। लेकिन अधिकांश दलों ने इसका विकल्प तलाशने के तरीके विकसित कर लिए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद भी आंतरिक रूप से विभाजित तृणमूल कांग्रेस के बैंक खाते में 630 करोड़ से अधिक की राशि शेष होना यह दर्शाता है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान वैध और अवैध, दोनों प्रकार के धन का व्यापक प्रवाह होता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 7,445 करोड़ का आधिकारिक व्यय वास्तविक चुनावी खर्च का केवल एक छोटा हिस्सा है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज़ (सीएमएस) ने अनुमान लगाया है कि चुनाव की कुल लागत 1.35 लाख करोड़ रु. रही थी। यह 2004 के लोकसभा चुनाव में खर्च हुए 15,000 करोड़ की तुलना में 900फीसदी अधिक है। यह 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पर हुए 1.2 लाख करोड़ रु. के खर्च से भी अधिक है। चुनाव आयोग ने उम्मीदवारों के खर्च की सीमा तय की है। प्रत्येक सांसद कानूनी रूप से अधिकतम 95 लाख तक खर्च कर सकता है, जबकि विधायकों के लिए यह सीमा 28 लाख से 40 लाख के बीच है। लेकिन दलों के चुनावी खर्च पर सीमा नहीं है। इन अनुमानों के आधार पर, 2024 के लोकसभा चुनाव में अवैध फंडिंग 1 लाख करोड़ रुपए से कहीं अधिक रही। यह धन कंपनियों, रियल एस्टेट डेवलपर्स और अन्य स्रोतों से आया। ये जिन दलों को धन देते हैं, उनसे भविष्य में लाभ की अपेक्षा भी रखते हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में विनियमित पब्लिक अफेयर्स कमेटियां (पीएसी) सीनेट और प्रतिनिधि सभा के उम्मीदवारों के चुनाव अभियानों में बड़ी मात्रा में धन लगाती हैं। अमेरिकन इजराइल पब्लिक अफेयर्स कमेटी (एआईपीएसी) जैसे प्रभावशाली फंडिंग ग्रुप्स किसी उम्मीदवार की चुनावी संभावनाओं को बना या बिगाड़ सकते हैं। एआईपीएसी दशकों से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और सीनेटर लिंडसे ग्राहम जैसे नेताओं को वित्तीय समर्थन देता रहा है।

अंतर केवल पारदर्शिता का है। हालांकि, अमेरिकी व्यवस्था में भी कार्टेल और विशेष हित समूहों का अवैध धन नकद के रूप में उम्मीदवारों तक पहुंचता है। भारत में चुनावों में नकद फंडिंग का अनुपात कहीं अधिक है और यह व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। यद्यपि केंद्र स्तर पर भ्रष्टाचार यूपीए के फोन-बैंकिंग वाले दौर की तुलना में कम हुआ है, लेकिन राज्य और नगर निकाय स्तर पर भ्रष्टाचार बढ़ा है। सरकार इससे अनभिज्ञ नहीं है, लेकिन इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकती। हर स्तर पर चुनावी फंडिंग की आवश्यकता होती है। विधानसभा और नगर निगमों में बहुमत हासिल करने के लिए विपक्षी नेताओं को अपने पक्ष में करना भारी कीमत वसूलता है। लेकिन इस सबसे मतदाताओं के दो प्रमुख वर्गों में असंतोष बढ़ रहा है। पहला, मध्यमवर्गीय करदाता और व्यापारी, जिन्हें लगता है कि उनके साथ अपेक्षित न्याय नहीं हुआ। दूसरा, जेन-जी युवा, जिनका मानना है कि सरकार ने रोजगार सृजन के लिए बहुत कम किया है। ये दोनों वर्ग मुख्यतः सोशल मीडिया और ऑनलाइन माध्यमों पर ही अधिक मुखर हैं। अधिकांश भारतीय इस बढ़ते असंतोष से अप्रभावित हैं। लेकिन सरकार उन्हें हल्के में नहीं ले सकती। राम मंदिर की दानपेटी की चोरी की घटना एक चेतावनी है। भारतीय जनता पार्टी राम मंदिर के मुद्दे पर सत्ता तक पहुंची थी।

यदि भ्रष्टाचार का दाग भगवान के घर तक पहुंचता दिखाई देता है, तो भाजपा के किले की नींव कमजोर पड़ सकती है। प्रधानमंत्री मोदी इससे पहले भी अनेक संकटों का सामना कर चुके हैं- कोविड, टैरिफ, युद्ध आदि। लेकिन भ्रष्टाचार अनेक सिरों वाले राक्षस की तरह है। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले उस पर नियंत्रण पाना मोदी के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मिन्हाज मर्चेंट)

यूक्रेन के हमले से रूस में भी होर्मुज जैसा संकट, जहाजों की आवाजाही रुकी, 9 दिन में 116 जहाजों पर हमले हुए

मॉस्को। रूस में गेहूं की कीमतें बढ़ने लगीं- रिपोर्ट्स के

मुताबिक रूस के करीब 25फीसदी गेहूं का निर्यात एजोव सागर के रास्ते होता है। अगर यह संकट जारी रहा तो रूस को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है। रूस दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक है और वैश्विक गेहूं निर्यात का लगभग 20फीसदी हिस्सा अकेले रूस से आता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस के करीब 25फीसदी गेहूं का निर्यात एजोव सागर के रास्ते होता है। अगर यह संकट जारी रहा तो रूस को अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हो सकता है।एजोव सागर में संकट बढ़ने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं के वायदा भाव (फ्यूचर्स) भी बढ़ने लगे हैं।रूस का दावा है कि वह अपने गेहूं का निर्यात ब्लैक सी के दूसरे बंदरगाहों से कर सकता है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि निर्यात के सबसे व्यस्त मौसम में दूसरे बंदरगाहों की क्षमता इतनी नहीं है कि वे पूरा भार संभाल सकें।

रूस के लिए एजोव सागर इतना खास क्यों है- एजोव सी यूक्रेन और रूस के बीच स्थित एक अंदरूनी समुद्र है, जो केर्च स्ट्रेट के जरिए ब्लैक सी से जुड़ा है। 2003 में यूक्रेन और रूस ने इस समुद्री क्षेत्र को साझा इस्तेमाल करने का समझौता किया था। लेकिन 2014 में क्रीमिया पर कब्जे के बाद रूस ने इस समझौते का कई बार उल्लंघन किया। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस ने एजोव सागर के आसपास के लगभग पूरे यूक्रेनी तट पर कब्जा कर लिया। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे रूस का समंदर तक बता दिया था। आकार में छोटा होने के बावजूद, एजोव सागर रूस की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है।

सोवियत काल में विकसित हुए नदियों और नहरों का विशाल नेटवर्क इसी समुद्री मार्ग से जुड़ता है।

इसके जरिए दक्षिणी रूस से तेल, गेहूं, सूरजमुखी का तेल, इस्पात और अन्य सामान पहले ब्लैक सी और फिर दुनिया के कई देशों तक पहुंचाया जाता है।

वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट बोला- हर जान कीमती हैं, केंद्र-दिल्ली सरकार को आदेश- रोजाना मेडिकल जांच हो

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक

की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती है। उसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को उनकी रोजाना मेडिकल जांच कराने और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। याचिका में जबरन खाना देने के निर्देश देने की मांग भी की गई थी।केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी डॉक्टर वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल पर हैं।

उनका वजन 8.9किग्रा तक गिर गया है। सीजेपी का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग- कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नीट पेपर लीक के विरोध में 20 जून से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। वे शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वांगचुक भी उनके आंदोलन में शामिल

वांगचुक 19 दिन से भूख हड़ताल पर

हैं। सीजेपी चीफ जस्टिस सूर्यकांत के बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करने के बाद बनी थी। सीजेपी ने आरोप लगाया कि छात्रों के लिए आवाज उठाने वाले वांगचुक को सरकार की ओर से सिर्फ खामोशी मिली है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि सरकार जवाबदेही से बच रही है और उसका रवैया क्रूर है। लद्दाख को राज्य बनाने की मांग, वांगचुक 170 दिन जेल में रहे-वांगचुक इससे पहले लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उन पर आरोप था कि अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए। सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया। इरोम ने 16 साल तक अनशन किया, जानें ऐसी ही 5 हड़तालें-देश में पहले भी कई नेता और सामाजिक कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर लंबी भूख हड़ताल कर चुके हैं। महात्मा गांधी से लेकर जी.डी. अग्रवाल तक कई लोगों ने अनशन का सहारा लिया। सबसे लंबी भूख हड़ताल का रिकॉर्ड इरोम शर्मिला के नाम है। इरोम शर्मिला ने मणिपुर से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (आफ्स्पा) हटाने की मांग को लेकर करीब 16 साल (2000-2016) तक भूख हड़ताल की थी। इस दौरान उन्हें जीवित रखने के लिए नाक के जरिए तरल आहार (फोर्स-फीडिंग) दिया जाता था।

सीबीआई का दावा-लातूर कोचिंग संचालक ने नीट का पेपर खरीदा, केमिस्ट्री के 132 प्रश्न मिले, 111 असली पेपर से मैच

लातूर। सीबीआई ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में बुधवार को स्पेशल कोर्ट में बड़ा दावा किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, महाराष्ट्र के लातूर की कोचिंग सेंटर संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर ने एनटीए के पेपर सेटर से केमिस्ट्री के प्रश्न हासिल करने के लिए रु5 लाख दिए थे। आरोपी मोटेगांवकर के मोबाइल से मिले हस्तलिखित नोट्स में 132 प्रश्न मिले, जिनमें से 111 प्रश्न एनटीए के मास्टर प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं। मोटेगांवकर का बेटा कुलकर्णी की कोचिंग क्लास भी जाता था। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 केंद्रों पर हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया। सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया-सीबीआई ने मोटेगांवकर का फोन बरामद किया

है, जिसमें रसायन केमिस्ट्री के 132 हाथ से लिखे प्रश्नों वाली 36 तस्वीरें (पांच डुप्लिकेट तस्वीरें) मिली हैं। सीबीआई ने अपने जवाब में कहा कि इनमें से 111 प्रश्न नीट (यूजी) 2026 के लिए तैयार किए गए एनटीए के मास्टर प्रश्न सेट से मेल खाते हैं। एजेंसी ने कहा कि मोटेगांवकर ने कुलकर्णी की केमिस्ट्री ट्यूटोरियल क्लासेस में दिए गए पेपर से हैंड रिटन नोट्स तैयार किए थे। सीबीआई ने मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, बिहार पुलिस ने मामले में अलग से 30 लोगों को गिरफ्तार किया था।शिवराज पहले पार्ट-टाइम टीचर था, आज रु1500 करोड़ की संपत्ति-कोचिंग संचालक मोटेगांवकर का महाराष्ट्र के लातूर में रेनुकाई करियर सेंटर (आरसीसी) है। पहले यह मामूली पार्ट-टाइम टीचर था। आज नेटवर्थ रु1500 करोड़ बताई जा रही है। सीबीआई का आरोप है कि मोटेगांवकर की पेपर लीक नेटवर्क से पुरानी सांठगांठ रही है। भास्कर ने इस कोचिंग में पढ़ने वाले नीट 2025 में सफल छात्रों की पड़ताल की। इसमें 19 छात्रों का एम्स में सिलेक्शन हुआ था।2 छात्रों का एम्स दिल्ली, 5 का हैदराबाद और 3-3 का भोपाल व वाराणसी एम्स में सिलेक्शन हुआ।

शेख हसीना की फांसी लगभग तय हैं फिर भी बांग्लादेश क्यों जाना चाहती हैं- क्या भारत का रुख बदल गया

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। अगस्त 2024 में तख्तापलट के बाद वो भागकर

भारत आ गई थीं। उन्हें बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने मौत की सजा सुनाई है। बांग्लादेशी नेता कह रहे- वापस आने पर इस सजा को अंजाम दिया जाएगा। सवाल-1: शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने की बात कहां से उठी? जवाब: ये चर्चा शेख हसीना के ही बयानों से शुरू हुई। उन्होंने 29 जून को एक टीवी चैनल से ई-मेल इंटरव्यू में कहा-'मुझे मौत का डर नहीं है। मैंने 1975 में अपना पूरा परिवार खो दिया था। 21 अगस्त को ग्रेनेड से मेरी हत्या की कोशिश हुई। मैं हर साजिश से लड़ते हुए बांग्लादेश की अवाम के साथ खड़ी रही और वोट से 5 बार पीएम चुनी गई। मेरी पूरी जिंदगी बांग्लादेश की जनता, अवामी लीग (हसीना की पार्टी) और बांग्लादेश के हित से जुड़ी रही है। मैं हर रुकावट, हर साजिश को पार करते हुए इस साल अपने मुल्क लौटूंगी।' इसके बाद 10 जुलाई की सुबह हसीना ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को भी टेलीफोनिक इंटरव्यू में बताया कि दिसंबर 2026 तक भारत से बांग्लादेश लौटेंगी और अपनी पार्टी के कुछ और निर्वासित नेताओं के साथ सरेंडर करेंगी। शेख हसीना ने कहा, 'हो सकता है कि लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर लें, वे मुझे मार भी सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही होगा। मेरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का भयानक तरह से दमन हो रहा है।' हसीना की सरकार में गृहमंत्री रहे असदुज्जमान खान भी निर्वासित हैं, उनको भी मौत की सजा सुनाई गई है। उन्होंने कहा, 'हम सब मिलकर अदालत में आत्मसमर्पण करेंगे।' सवाल-2: बांग्लादेश लौटने पर उनके साथ क्या-क्या हो सकता है? जवाब: शेख हसीना पर उनके खिलाफ आंदोलन करने वाले स्टूडेंट्स की हत्याओं के लिए पुलिस और सेना

को आदेश देने का आरोप है। बांग्लादेश की इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल, यानी आईसीटी-बीडी नवंबर में शेख हसीना को मौत की सजा सुना चुकी है। ये पहली बार है, जब बांग्लादेश में किसी पूर्व पीएम को मौत की सजा सुनाई गई है। अब अगर शेख हसीना बांग्लादेश जाकर सरेंडर करती हैं, तो उन्हें गिरफ्तार करके फांसी देने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। हालांकि ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील भी की जा सकती है। हसीना की पार्टी अवामी लीग पर बांग्लादेश में बैन है। इसलिए गिरफ्तारी पर किसी बड़े विरोध प्रदर्शन की भी उम्मीद कम है। पुलिस इसे कुचल सकती है। बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान के स्ट्रैटेजिक एडवाइजर जाहिद-उर-रहमान ने कहा है, 'देश की जनता चाहती है कि उनके जुर्म के लिए उन्हें मौत की सजा दी जाए। अगर वो वापस आईं, तो इस सजा को अंजाम

5 अगस्त 2024 को हिंसक प्रदर्शनों के बाद शेख हसीना हेलिकॉप्टर से दिल्ली आ गई थीं।

दिया जाएगा। जनता यही चाहती है। उन्हें दुनिया के सबसे अच्छे वकील लाने दो।' सवाल-3: जब फांसी की सजा हो चुकी, तो फिर लौटने का दांव क्यों खेल रहीं हसीना? जवाब: इसकी 2 बड़ी वजहें हैं- बांग्लादेश की राजनीति में वापसी की कोशिश- प्रतिबंध के बावजूद अवामी लीग एक्टिव हो रही है। कार्यकर्ता एकजुट हो रहे हैं। 23 जून को पार्टी ने 77वां स्थापना दिवस मनाया, तो दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। बीते हफ्ते शेख हसीना के खिलाफ हुई एक रैली के दौरान बम धमाका हुआ। इसमें 3 लोग घायल हुए, जबकि मंच पर शेख हसीना के खिलाफ स्टूडेंट मूवमेंट के प्रमुख चेहरे नाहिद इस्लाम समेत नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के कई नेता मौजूद थे। अवामी लीग के नेता कह रहे हैं कि उसका दौर इस सरकार से कहीं बेहतर था। 2009 से 2024 तक हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश कपड़े के एक्सपोर्ट में बांग्लादेश दुनिया का बड़ा सेंटर बना, लाखों लोग गरीबी से बाहर आए। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में स्ट्रैटेजिक स्टडीज प्रोग्राम के डिप्टी डायरेक्टर विवेक मिश्र कहते हैं कि अब शेख हसीना को लगने लगा है कि दोबारा बांग्लादेश में ताकत से खड़े होने का मौका है और सरकार के खिलाफ माहौल बनाया जा सकता है। अल-जजीरा के मुताबिक, हसीना विदेश से ही पार्टी को दोबारा मजबूत करने की कोशिशें कर रही हैं। वो 100 से ज्यादा संसदीय इलाकों में अपनी पार्टी के लोगों के साथ ऑनलाइन बैठकें कर रही हैं। इंटरव्यू में हसीना ने कहा, 'अवामी लीग पर कई हमले हुए, बैन लगाया गया, लेकिन जनता की ताकत से पार्टी दोबारा उठ खड़ी हुई। ऐसी कोशिशों में वो पहले भी फेल हुए हैं, दोबारा होंगे। बैन लगाकर पार्टी के ऑफिस और पॉलिटिकल एक्टिविटी बंद कर सकते हैं, लेकिन पार्टी वर्कर्स जुलूस निकाल रहे हैं। आम लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। ये संकेत है कि अवामी लीग फिर से मजबूत होने लगी है।' इसके अलावा हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय फिलहाल अमेरिका में रहते हैं, लेकिन वो बांग्लादेश के मुद्दों पर एक्टिव हैं। अगर हसीना उनके लिए राजनीतिक जमीन तैयार करना चाहें, तो भी ये बिना बांग्लादेश लौटे मुमकिन नहीं है। भारत में अब ज्यादा दिन रहना मुश्किल- विवेक मिश्र कहते हैं, 'आखिर कब तक हसीना भारत में या किसी और देश में रहेंगी? भारत भले ये बात न कहे, लेकिन उसके लिए एक एक्स्ट्रा जिम्मेदारी जैसा है। एक निर्वासित नेता को रखना आसान नहीं होता। शेख हसीना के साथ अमेरिका का भी सपोर्ट नहीं है। बांग्लादेश और चीन बहुत नजदीक आ चुके हैं। ऐसे में भारत तारिक रहमान के दौर में बांग्लादेश से अच्छे रिश्ते चाहता है।' इसके संकेत भी मिलने लगे हैं। जब तारिक रहमान पीएम बने, तो पीएम मोदी बधाई देने वाली शुरुआती नेताओं में से एक थे। बीएनपी ने पीएम मोदी की बधाई को हाईलाइट किया और अच्छे रिश्तों की उम्मीद जताई। अगले ही दिन बीएनपी के सीनियर नेता सलाहुद्दीन अहमद ने भारत से शेख हसीना का प्रत्यर्पण करने की पार्टी की मांग दोहराई। तारिक ने भी कहा कि कानूनी प्रक्रिया के हिसाब से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की जाएगी। सवाल-4: तो क्या भारत दबाव में हसीना को वापस भेज देगा? जवाब: दिसंबर 2024 से अब तक बांग्लादेश कई बार भारत को हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध भेज चुका है। 14 जुलाई को भी भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है- पूर्व पीएम (शेख हसीना) के मामले में हमारे रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। प्रत्यर्पण का मामला कानूनी मुद्दा है, उसी तरीके से निपटा जाएगा। इस बयान और भारत के रुख का मतलब समझिए- दरअसल, 2013 में हसीना के पीएम रहते भारत-बांग्लादेश में प्रत्यर्पण संधि हुई। खास तौर पर सीमाई इलाकों में घुसपैठियों और अपराधियों के प्रत्यर्पण को लेकर। संधि के मुताबिक, अगर किसी देश में मौजूद दूसरे देश के अपराधी को एक साल या उससे ज्यादा कैद की सजा मिले और अपराध ऐसा हो, जिसमें दोनों देशों में सजा होती हो, तो प्रत्यर्पण हो सकता है। 2016 में संशोधन के तहत अपराध का सबूत देने की भी जरूरत नहीं है, सिर्फ अपने यहां की कोर्ट से जारी वारंट देना काफी है।हालांकि संधि में 3 आर्टिकल हैं, जिनके जरिए भारत शेख हसीना के प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है- आर्टिकल 6- अगर अपराध राजनीतिक हो: हसीना को कई हत्याओं के मामले में सजा हुई है। इसलिए ये आर्टिकल लागू होना मुश्किल है। आर्टिकल 7- आरोपी पर दूसरे देश में भी कोई मामला चल रहा हो: शेख हसीना के मामले में ऐसा नहीं है। आर्टकिल 8- अगर आरोप न्याय के लिए नहीं, बल्कि गलत तरीके से लगा हो: भारत कह सकता है कि हसीना के खिलाफ आरोप सही नहीं हैं और बांग्लादेश लौटने पर उनको राजनीतिक उत्पीड़न झेलना पड़ सकता है। 9 जुलाई को बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि हसीना को लाने के लिए लगातार कोशिश जारी है। प्रत्यर्पण इंटरनेशनल नियमों और कानून के तहत होता है, इसलिए इसमें समय लगता है। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत इस मामले में सहयोग कर रहा है, तो उन्होंने सीधे जवाब नहीं दिया। विवेक मिश्र कहते हैं कि बांग्लादेश में जब तक अंतरिम सरकार थी, तब तक भारत ने इस मुद्दे को टाले रखा। अब बांग्लादेश में स्थायी सरकार है। इसलिए भारत को जवाब देना होगा। ये बात शेख हसीना भी समझती हैं।' सवाल-5: बांग्लादेश में हसीना के पास सजा से बचने का कोई रास्ता है? जवाब: बांग्लादेश में मौत की सजा से बचने के लिए हसीना के पास 2 रास्ते हैं- ट्रिब्यूनल में ही सजा को चुनौती दें और केस जीत जाएं- ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ हसीना वहीं अपील कर सकती हैं। हालांकि अपील की समयसीमा 30 दिन की है, लेकिन मार्च 2026 में हसीना के वकील ट्रिब्यूनल को पत्र भेजकर सजा को अवैध बताकर इसे रद्द करने की मांग कर चुके हैं।

ह्यूमन राइट्स वाच और एमनेस्टी इंटरनेशनल भी बिना सुनवाई के हुई इस सजा पर चिंता जता चुके हैं। इसलिए हो सकता है, हसीना को ट्रिब्यूनल सुनवाई में शामिल होने का मौका दे दे। हालांकि ट्रिब्यूनल से हसीना आरोपों से बरी हो जाएं, ये मुश्किल है। सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करके स्टे ले लें- हसीना सरेंडर से पहले ही इस फैसले के खिलाफ बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट फैसले पर सुनवाई शुरू कर सकता है या फिर स्टे दे सकता है। हालांकि बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट पर सत्ता का प्रभाव रहता है। मसलन-दिसंबर 2014 में हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश की पार्टी जमात-ए-इस्लामी के नेता अजहरुल इस्लाम को 1971 में नरसंहार, मर्डर, रेप जैसे मामलों में ट्रिब्यूनल ने मौत की सजा दी। अजहरुल ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, लेकिन उसने सजा बरकरार रखी। फिर हसीना के तख्तापलट के बाद मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। इसी तरह हसीना की सरकार ने 2013 में जमात को बैन किया था। हसीना के हटने के बाद यूनुस सरकार ने जमात पर से बैन हटा दिया। 2013 से 2016 के बीच हसीना के दौर में भी अब्दुल कादर मोल्ला, मोतीउर रहमान निजामी जैसे 5 जमात नेताओं और बीएनपी के सलाउद्दीन कादर चौधरी को फांसी की सजा सुनाई गई। ये लोग सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन अपील खारिज कर दी गई और इन सभी को फांसी हो गई।

लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहने पर आमिर की सफाई, कहा- बेटी और बहनों के पति हिंदू, तीनों में से किसी पत्नी का धर्म नहीं बदला

मुंबई। तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को

सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने इन आरोपों पर सफाई दी है। वेबसाइट रेडिफ के साथ बातचीत में आमिर ने कहा-

मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं। आमिर ने कहा- मेरी बेटी इरा की शादी एक हिंदू से हुई है। मेरी दोनों बहनों निखत खान और फरहत खान के पति भी हिंदू हैं। कजिन मंसूर की शादी एक ईसाई से हुई है। आमिर ने 5 जुलाई को की थी तीसरी शादी- एक्टर आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को शादी की। दोनों ने मुंबई के पाली हिल (बांद्रा) स्थित आमिर के घर पर शादी के कागजात पर साइन किए। यह एक प्राइवेट मैरिज सेरेमनी थी, जिसमें दोनों परिवारों के लोग और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज के रूप में रजिस्टर की गई। नेताओं ने लव जिहाद कहा, पुतला फूंका, मुफ्ती ने शादी को नाजायज बताया-आमिर खान की तीसरी शादी पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने सवाल उठाया था- क्या आमिर खान लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर बन रहे हैं। महाराष्ट्र के ही मंत्री संजय शिरसाट ने कहा- यह आमिर का निजी जीवन है, लेकिन ऐसी चीजें समाज पर

गलत असर डाल सकती हैं। बजरंग दल समेत कुछ संगठनों ने आमिर खान के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला भी फूंका। उनका आरोप था कि आमिर जानबूझकर गैर-मुस्लिम महिलाओं से शादी करते हैं। वहीं, आमिर की तीसरी शादी को लेकर यूपी में फतवा जारी हुआ है। अलीगढ़ में यूपी के शाही चीफ मुफ्ती मौलाना चौधरी इफ्राहीम हुसैन ने कहा कि शरीयत के मुताबिक किसी भी मुस्लिम पुरुष के लिए ऐसी गैर-मुस्लिम महिला से शादी करना पूरी तरह गलत और नाजायज है, जो अपने पुराने धर्म पर कायम हो। जिसने मुस्लिम धर्म स्वीकार न किया हो। ऐसी महिला से शादी इस्लाम के नियमों में अवैध है। ऐसा करने वाला मुस्लिम पुरुष भी धार्मिक रूप से गुनहगार है। सैलून एंटरप्रेन्योर

और फैशन प्रोफेशनल हैं गौरी स्प्रैट- आमिर ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। आमिर की तरह गौरी भी शादीशुदा थीं और उनका 7 साल का एक बच्चा है। आमिर और गौरी एक-दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं। दोनों पहले काफी अच्छे दोस्त थे, जिसके बाद उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। 2002 में हुआ था आमिर का पहला तलाक-आमिर ने अपनी पहली शादी साल 1986 में रीना दत्ता से की थी। यह लव मैरिज थी जो करीब 16 सालों तक चली। दोनों के दो बच्चे, जुनैद खान और इरा खान हैं। साल 2002 में आमिर-रीना का तलाक हो गया था। किरण राव से दूसरी शादी फिर तलाक- रीना दत्ता से तलाक के बाद आमिर खान की जिंदगी में डायरेक्टर किरण राव आईं। साल 2005 में दोनों की शादी हुई। इस शादी से उनका एक बेटा आजाद है, जिसका जन्म आईवीएफ से हुआ। शादी के 16 साल बाद जुलाई 2021 में आमिर और किरण का ऐलान किया था। तीसरी शादी पर भारत का कानून क्या कहता है?भारत में तीसरी शादी करना गैरकानूनी नहीं है। कानून सिर्फ यह देखता है कि शादी के समय व्यक्ति की पिछली शादी कानूनी रूप से खत्म हुई है या नहीं।अगर पहली और दूसरी शादी का कानूनी तलाक हो चुका है या जीवनसाथी का निधन हो गया है, तो तीसरी शादी पूरी तरह वैध होती है। लेकिन बिना तलाक के दोबारा शादी करना द्विविवाह माना जा सकता है और यह कानूनन अपराध है। ऐसे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 82 के तहत शादी अमान्य होगी और 7 साल की जेल हो सकती है। केवल मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत एक मुस्लिम पुरुष को एक समय में अधिकतम 4 शादियां करने की परमिशन है। अगर शादी 'स्पेशल मैरिज एक्ट' के तहत रजिस्टर्ड की जा रही हो, तो यह छूट खत्म हो जाती है और वहां भी एक विवाह का नियम लागू होता है। आमिर खान के मामले में उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता से 2002 और दूसरी पत्नी किरण राव से 2021 में कानूनी तलाक हो चुका है। ऐसे में गौरी स्प्रैट से उनकी शादी वैध मानी जाएगी।

कटरीना हो चुकी 43 की, छोटे कपड़े पहने देख सलमान ने मारा, पहली फिल्म में गुलशन ग्रोवर को किस किया, विक्की ने सलमान के सामने प्रपोज किया, जवाब दिया- हिम्मत नहीं

मुंबई। साल 2000 के आसपास की बात है। करीब 18 साल की कटरीना कैफ को अनुराग

बासु के निर्देशन में बन रही फिल्म साया मिली, जिसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। ये उनकी पहली बतौर लीड बॉलीवुड फिल्म होती। एक रात उन्हें शूटिंग पर बुलाया गया। न डायलॉग था, न एक्सप्रेशन, बस डमी पासिंग शॉट देना था। अगले दिन फिर उन्हें बुलाया गया, एक सीन शूट किया गया और तुरंत पैकअप हो गया। कुछ देर बाद वहां मौजूद प्रोड्यूसर महेश भट्ट ने कहा कि इस लड़की को फिल्म से हटा दो। टीम ने जब ये बात उन्हें बताई, वो रो पड़ीं। वो बिलखते हुए सेट से निकलीं। उन्हें लगा कि उनका करियर यहीं खत्म हो गया और वे कभी एक्टिंग नहीं कर पाएंगी। कटरीना के लिए ये रिजेक्शन झेलना मुश्किल था। हॉन्गकॉन्ग में जन्मीं कटरीना ने महज 14 की उम्र से मॉडलिंग करना शुरू किया। एक एशियन दोस्त के कहने पर वो भारत घूमने आईं, जहां उन्हें बी-ग्रेड फिल्म बूम (2003) में काम मिल गया। इस फिल्म के बाद उन्हें कई ऑफर मिले थे, जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस बनने का सपना देखा था। सेट से भगाए जाने के बाद शाम को सलमान खान मिले, तो कटरीना उनके सामने भी रो पड़ीं। ये देखकर सलमान हंसने लगे। कटरीना चिढ़कर बोलीं- मुझे मेरी पहली फिल्म से निकाला गया, मेरी जिंदगी खत्म हो गई और तुम हंस रहे हो। सलमान ने जोर से हंसते हुए कहा- इससे कुछ नहीं होगा, मैं जानता हूं कि तुम बहुत आगे जाने वाली हो। ये सब होगा, मेरे पास अभी जवाब नहीं है, लेकिन तुम देखोगी कि तुम कितना आगे जाओगी। उस रोज सलमान की कही हुई बात वाकई सच हुई। जिस फिल्म साया से कटरीना को निकाला गया वो फ्लॉप हो गई और 2005 में कटरीना की एक नहीं बल्कि दो बड़ी फिल्में रिलीज हुईं।

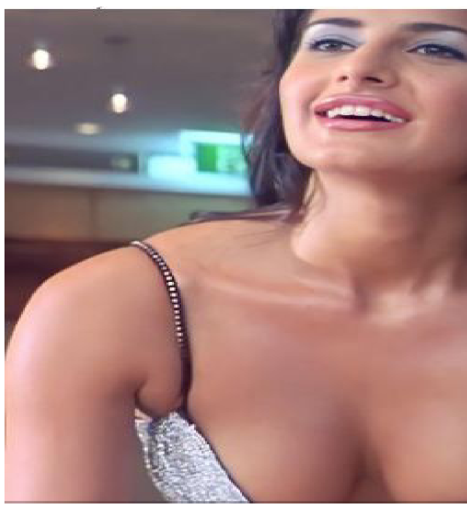

पहली थी अमिताभ बच्चन, अभिषेक की फिल्म 'सरकार' और दूसरी थी सलमान खान के साथ आई फिल्म 'मैंने प्यार क्यों किया'। इस फिल्म में खूबसूरती और चार्म से कटरीना देशभर में पॉपुलर हो गईं। गाने भी ब्लॉकबस्टर रहे। आगे कटरीना ने वेलकम, नमस्ते लंदन, एक था टाइगर जैसी हिट पर हिट देते हुए खुद को टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार किया। गुरूवार को कटरीना कैफ 43 साल की हो चुकी हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर जानिए, उनकी जिंदगी की इंट्रेस्टिंग कहानी-भारत घूमने आई थीं, खूबसूरती की बदौलत मिल गई बी-ग्रेड फिल्म-16 जुलाई 1983 में कटरीना कैफ का जन्म हॉन्गकॉन्ग में हुआ। वो एक भाई और 6 बहनों में मंझली थीं। मां सुजैन विदेशी थीं और पिता कश्मीरी। कटरीना कम उम्र की थीं, जब पिता ने मां और 7 बच्चों को छोड़ दिया। गुजारे के लिए मां कभी चीन गईं, तो कभी जापान। कभी बोट से बच्चों को फ्रांस ले गईं, तो कभी स्विटजरलैंट, पोलैंड, बेल्जियम, हवाई और लंदन। गुजारे के लिए बार-बार शहर बदलने के चलते उनकी स्कूलिंग ठीक तरह नहीं हो सकी। घर में कुछ ट्यूटर आते, जो सारे भाई-बहनों को साथ पढ़ाते थे। कटरीना महज 14 साल की थीं, जब वह एक ब्यूटी कॉन्टैस्ट की विनर बनीं, जिसके बाद उन्हें लगातार जूलरी एड और मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। हुनर की बदौलत वो लंदन फैशन वीक की मॉडल बनीं। यहीं उनकी मुलाकात एक एशियन लड़की से हुई, जो उन्हीं के साथ मॉडलिंग करती थी। उस लड़की ने एक रोज कटरीना से कहा कि उन्हें कभी भारत घूमने आना चाहिए। कटरीना ने फुर्सत मिलते ही भारत की टिकट बुक करवा ली। एक रोज वो अपनी दोस्त के साथ एक फैशन शो देखने पहुंचीं। यहां उन पर लंदन के फिल्ममेकर कैजाद गुस्ताद की नजर पड़ गई। कैजाद ने उन्हें हिंदी-इंग्लिश फिल्म बूम ऑफर कर दी। ये एक बी-ग्रेड फिल्म थी, जिसमें अमिताभ बच्चन, गुलशन ग्रोवर, जैकी श्रॉफ जैसे बड़े चेहरे थे। इस फिल्म के प्रोड्यूसर जैकी श्रॉफ और उनकी पत्नी आएशा थे, जिन्होंने इसमें सारी जमापूंजी लगा दी थी और काफी कर्ज भी लिया था। 2 घंटे के साथ गुलशन ग्रोवर के साथ किसिंग सीन प्रैक्टिस किया- फिल्म में कटरीना को एक ऐसी मॉडल का किरदार मिला, जो डायमंड स्मगलिंग में फंसती हैं। फिल्म के एक सीन के लिए कटरीना कैफ को गुलशन ग्रोवर के साथ बोल्ड किसिंग सीन देना था, वो भी अमिताभ बच्चन की मौजूदगी में। डायरेक्टर कैजाद ने गुलशन को सुझाव दिया कि उन्हें फाइनल शॉट से पहले प्रैक्टिस कर लेनी चाहिए। कटरीना नई थीं, ऐसे में गुलशन ने सबके सामने शर्मिंदगी से बचने के लिए कटरीना के साथ 2 घंटे तक एक बंद कमरे में किसिंग सीन प्रैक्टिस किया। फिल्म 19 सितंबर 2003 में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस में बुरी तरह फ्लॉप हो गई। जैकी श्रॉफ के लगाए हुए सारे पैसे डूब गए। कर्जदारों की रकम चुकाने के लिए जैकी श्रॉफ ने पहले फर्नीचर, कार बेची और आखिर में उनका घर भी बिक गया। फिल्म फ्लॉप रही और कटरीना के ब्रिटिश एक्सेंट की भी जमकर आलोचना हुई, इसके बावजूद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। इसी समय उन्होंने डिजाइनर रोहित बल समेत कई बड़े डिजाइनर्स के लिए रैंप पर कैटवॉक की। सलमान की बहन से हुई दोस्ती, जिनकी बदौलत खान परिवार की करीबी बनीं- करियर की शुरुआत में कटरीना कैफ की मुलाकात स्टेप क्लास में अलवीरा से हुई, दोनों साथ वर्कआउट करते थे। कटरीना वर्कआउट के समय भी पीनट बटर और ब्रेड खाती थीं, जो अलविरा को काफी अटपटा लगता था। इसी टॉपिक पर दोनों की बात शुरू हुई और समय के साथ दोनों की दोस्ती मजबूत होने लगी। एक रोज अलवीरा ने कटरीना से कहा कि वो उनके भाई सलमान खान की बर्थडे पार्टी में साथ चलें। इस पार्टी में चंद लोग ही पहुंचने वाले थे। कटरीना मान गईं और शाम को गैलेक्सी अपार्टमेंट पहुंचीं। जैसे ही कटरीना ने कदम आगे बढ़ाए, सलमान उनके सामने शर्टलेस खड़े थे, जो उन्हें देखते ही हड़बड़ाहट में छिपते हुए कमरे में वापस जाने को हुए, कटरीना ये देखकर हंस पड़ीं। नितिन कक्कड़ को दिए इंटरव्यू में सलमान ने बताया था कि उस दिन मेहमानों के आने से पहले उन्होंने वर्कआउट किया और फिर नहाने चले गए। उन्हें लगा मेहमानों के आने में समय है, तो वो शर्टलेस ही लिविंग रूम में आ गए, वो इस बात से अनजान थे कि अलवीरा अपनी दोस्त को घर ला रही हैं। इस अटपटी पहली मुलाकात के बाद कटरीना अक्सर, अलवीरा के साथ घर जाया करती थीं, जहां उनकी सलमान से दोस्ती हो गई। इसी समय महेश भट्ट ने फिल्म साया के लिए कटरीना का ऑडिशन लिया था, तब उन्हें कटरीना पसंद आई थीं, हालांकि बाद में कटरीना को फिल्म से निकाल दिया गया। बॉलीवुड करियर न चलने के बीच ही कटरीना को साउथ फिल्म मल्लिसवरी (2004) में वेंकटेश के साथ काम मिल गया। फिल्म के लिए कटरीना को 75 लाख रुपए फीस मिली थी। ये साउथ एक्ट्रेस के मुकाबले उस दौर की सबसे ज्यादा फीस थी। ये फिल्म हिट रही और कटरीना को लगातार साउथ से बड़े ऑफर मिलने लगे। कटरीना ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें टॉप साउथ एक्टर्स जितनी फीस ऑफर होती थी, लेकिन कटरीना का फोकस बॉलीवुड में था। शूटिंग के बीच कोरियोग्राफर ने की बेइज्जती-इस साउथ फिल्म के एक गाने की शूटिंग आउटडोर हुई थी। कटरीना उस समय नई थीं और इंडियन डांस से पूरी तरह अनजान थीं। डांस न आने पर उन्हें बार-बार रीटेक करना पड़ रहा था। इस बात से कोरियोग्राफर चिढ़ गई। उसने माइक पर तेज आवाज में कहा- ये लड़की पूरी जीरो है। ये डांस भी नहीं कर सकती। कटरीना काफी निराश हुईं और मन में सोचा- ये इतनी तेज बोल रही है, जिससे मैं इसे सुन लूं, इसका मतलब ये है कि वो चाहती है मैं इसे सुनूं। कटरीना ने उस कोरियोग्राफर से कुछ नहीं कहा, लेकिन अपनी डांस स्किल्स पर काम करना शुरू कर दिया। आज कटरीना शीला की जवानी, चिकनी चमेली, अफगान जलेबी, इश्क परचम जैसे गाने देकर बॉलीवुड की सबसे बेस्ट डांसर कही जाती हैं। सलमान की बदौलत मिला बड़ा ब्रेक- साउथ डेब्यू के बाद सलमान ने कटरीना के कुछ ऑडिशन क्लिप और प्रोजेक्ट्स भी देखे थे। कुछ समय बाद सलमान खान को सुष्मिता सेन के साथ डेविड धवन की फिल्म मैंने प्यार क्यों किया मिली। इस फिल्म के लिए डेविड धवन एक सुसाइडल मॉडल के रोल के लिए नए चेहरे की तलाश में थे, तभी सलमान ने उन्हें कटरीना के नाम का सुझाव दिया। डेविड ने कटरीना का स्क्रीनटेस्ट लिया और काम पसंद आने पर उन्हें कास्ट कर लिया। ठीक इसी समय कटरीना को अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म सरकार में काम मिला। कटरीना ने एक साथ दोनों फिल्में शूट कीं। दोनों फिल्में जुलाई 2005 में रिलीज हुईं। सरकार में कम स्क्रीनटाइम के बावजूद कटरीना को जी सिने अवॉर्ड मोस्ट प्रोमिसिंग डेब्यू का नॉमिनेशन मिला, जबकि मैंने प्यार क्यों किया के लिए उन्हें बेस्ट ब्रेकथ्रो परफॉर्मेंस के लिए स्टारडस्ट अवॉर्ड मिला। अक्षय की फिल्म का सेट छोड़कर भागीं, खूब रोईं- आगे कटरीना कैफ को अक्षय कुमार के साथ फिल्म हमको दीवाना कर गए में साइन किया गया। ये बतौर लीड एक्ट्रेस कटरीना की पहली बड़ी फिल्म होने वाली थी। इससे पहले उनकी सभी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल ही थे। इस फिल्म की शूटिंग फिल्मिस्तान स्टूडियो में हुई। शिफ्ट लंबी चलने वाली थी, लेकिन पहले ही दिन 3 घंटे शूट करने के बाद कटरीना कैफ रो पड़ीं। कुछ देर बाद कटरीना बिना कुछ कहे सेट से निकल गईं। उन्होंने डिजाइनर को कॉल कर कहा, क्या इस तरह यहां काम होता है। इतने घंटे काम करवाया

जाता है। मैं बहुत थक चुकी हूं। मैं ऐसे काम नहीं कर सकती। क्या कोई और काम ढूंढ सकते हो। डिजाइनर ने इनकार कर दिया। शाम को कटरीना ने दोस्तों से यही कहा- मुझे अक्षय से डर लगता है, मैं ऐसे काम नहीं कर सकती। हालांकि, दोस्तों के समझाने पर कटरीना मान गईं और फिल्म पूरी की। ये फिल्म हिट रही और कटरीना के साथ अक्षय की जोड़ी काफी पसंद की गई। जब फ्लॉप के डर से भारत छोड़कर जाना चाहती थीं कटरीना- हमको दीवाना कर गए के बाद कटरीना को अक्षय कुमार के साथ नमस्ते लंदन में कास्ट किया गया। फिल्म बनकर तैयार हुई तो फिल्मी गलियारों में चर्चा होने लगी कि ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो जाएगी। इसी बीच डायरेक्टर विपुल शाह ने कटरीना को फिल्म देखने बुलाया। फिल्म दिखाने के बाद विपुल शाह ने उनसे पूछा कि फिल्म कैसी लगी। कटरीना जो पहले ही गॉसिप से परेशान थीं, बिना कुछ बोले ही वहां से तुरंत निकल गईं। कटरीना को फिल्म पसंद नहीं आई। उन्होंने मान लिया कि ये फ्लॉप होगी। उन्होंने भारत छोड़ने के लिए सामान पैक करना शुरू कर दिया। शाम को उनके पास विपुल शाह के असिस्टेंट का कॉल आया, जिसने कहा- आप बिना जवाब दिए चली गईं, विपुल जी आपसे नाराज हैं। कटरीना ने तुरंत विपुल को कॉल कर झूठी तारीफें करना शुरू कर दिया। उन्होंने फिल्म रिलीज तक भारत में रुकने का फैसला किया, लेकिन रिलीज के बाद फिल्म हिट हुई और कटरीना को और बड़ी फिल्मों के ऑफर आने लगे। सलमान से मिलने जेल पहुंची थीं कटरीना कैफ- फिल्म मैंने प्यार क्यों किया के बाद से ही सलमान और कटरीना के अफेयर की चर्चा आम हो गई। हर किसी ने माना कि सलमान उनके गॉडफादर हैं। कटरीना ने पार्टनर और युवराज जैसी फिल्मों में सलमान के साथ स्क्रीन भी शेयर की। जब साल 2007 में सलमान खान को काला हिरण शिकार मामले में जेल हुई, तो कटरीना, अलवीरा और अरबाज के साथ उनसे मिलने पहुंचीं। कुछ समय बाद वह अजमेर शरीफ दरगाह पहुंचीं। खबर ये भी रही कि सलमान कटरीना के लिए बेहद पजेसिव हैं। एक था टाइगर के सेट पर सलमान ने मारा- पर्सनल लाइफ की चर्चा के बीच कटरीना ने वेलकम, सिंह इज किंग, न्यूयॉर्क, दे दना दन जैसी बेहतरीन फिल्में देते हुए टॉप एक्ट्रेसेस में नाम बना लिया था। इसी समय उन्हें रणबीर कपूर के साथ फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी मिली। साथ काम करते हुए कटरीना और रणबीर के लिंक अप की खबरें आने लगीं। इसी समय कटरीना ने सलमान खान के साथ एक था टाइगर शूट की। शूटिंग के बीच सिनेब्लिट्स मैगजीन की रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक था टाइगर फिल्म के सेट पर कटरीना को छोटे कपड़े पहने देख सलमान इस कदर नाराज हुए कि उन्होंने सरेआम कटरीना पर हाथ उठा दिया। खबर चर्चा में रही। कुछ समय बाद सलमान ने भी इस पर सफाई दी। आप की अदालत में सलमान ने कहा, कटरीना ने छोटे कपड़े नहीं पहने थे, लेकिन कपड़े की फिटिंग ठीक नहीं थी। इसलिए मैंने उन्हें कपड़े बदलने के लिए कहा। हम फिल्म का आखिरी गाना माशाल्लाह शूट कर रहे थे और उसमें छोटे कपड़े पहनने की जरूरत भी नहीं थी। सलमान ने हाथ उठाने के दावे से इनकार नहीं किया, बल्कि कहा कि कभी-कभी पीआर टीम ही पब्लिसिटी के लिए ऐसी खबरें फैला देती हैं। जब 2013 में धूम रिलीज हुई तो आमिर ने को-स्टार कटरीना के लिए कहा कि वो सलमान-कटरीना की शादी होते देखना चाहते हैं। दूसरी तरफ कटरीना-रणबीर के रिश्ते की चर्चाएं बढ़ रही थीं। दोनों ने कभी इस पर न कन्फर्मेशन दी, न इसका खंडन किया। रणबीर के साथ प्राइवेट फोटो हुई लीक- अगस्त 2013 में कटरीना और रणबीर के सीक्रेट हॉलिडे की प्राइवेट तस्वीरें स्टारडस्ट मैगजीन में छपीं। वो तस्वीरें बीच में सीक्रेटली ली गई थीं। तस्वीरें पब्लिश होने पर कटरीना भड़क गईं और उन्होंने इसे ब्रीच ऑफ प्राइवेसी कहा। हालांकि तस्वीरों से उनके सीक्रेट रिलेशनशिप पर मुहर लग गई। जल्द ही कटरीना और रणबीर लिव-इन में रहने लगे। दोनों की शादी की खबरें तब तेज हुईं, जब रणबीर के साथ कॉफी विद करण में पहुंचीं करीना ने कटरीना को भाभी कहा। शादी की खबरों के बीच 2016 में कटरीना-रणबीर का ब्रेकअप हो गया। पूर्व जर्नलिस्ट पूजा सामंत ने एक इंटरव्यू में बताया कि ब्रेकअप के बाद कटरीना बुरी तरह टूट गई थीं। वो शादी करना चाहती थीं, लेकिन रणबीर तैयार नहीं थे। ब्रेकअप के कुछ दिनों बाद पूजा जब कटरीना का इंटरव्यू लेने यशराज स्टूडियो पहुंचीं, तो वहां कटरीना काफी रो रही थीं। वो रोते हुए कह रही थीं, मैंने गलती की, मैं उससे प्यार करती थी, उसकी वजह से मैंने अपना करियर बर्बाद कर लिया। ब्रेकअप के बीच ही कटरीना ने रणबीर के साथ जग्गा जासूस में काम किया, ये फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही। रणबीर की मां नीतू सिंह ने कसा था तंज- कटरीना से ब्रेकअप के कुछ समय बाद रणबीर की मां नीतू सिंह की एक पोस्ट पर विवाद हो गया। उन्होंने पोस्ट कर लिखा था- सिर्फ इसलिए कि उसने तुम्हें 7 साल डेट किया, इसका मतलब ये नहीं कि वो तुमसे शादी करेगा। मेरे अंकल ने 6 साल मेडिसिन की पढ़ाई की वो अब डीजे हैं। इसके जवाब में कटरीना की मां ने पोस्ट शेयर कर कहा और लिखा, 'मुझे बचपन से यही सिखाया गया कि सफाईकर्मी के साथ भी उतने ही सम्मान से पेश आओ, जितने सम्मान से किसी कंपनी के सीईओ को दिया जाता है।' विक्की कौशल में मिला हमसफर, जानिए कैसी है लव स्टोरी-विक्की और कटरीना की जोड़ी बनवाने में करण जौहर की काफी अहम भूमिका है। जब करण ने अपने टॉक शो 'कॉफी विद करण' पर कटरीना से सवाल पूछा था कि वो आगे किसके साथ काम करना पसंद करेंगी, तब उसके जवाब में कटरीना ने विक्की का नाम लिया था। ये बात करण ने जब विक्की को बताई तो वो इसे सुन कर दिल पर हाथ रखकर 'बेहोश' होने लगे। फिर विक्की ने कटरीना को साल 2019 में स्टार स्क्रीन अवॉर्ड के दौरान सरेआम शादी का प्रस्ताव दिया था। विक्की ने कहा था कि मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूं, शादियों का मौसम चल रहा है आप भी एक विक्की कौशल को ढूंढकर उससे शादी क्यों नहीं कर लेतीं। उसके बाद कटरीना से विक्की ने सीधे पूछ लिया कि मुझसे शादी करोगी। इस पर एक्ट्रेस ने कहा- हिम्मत नहीं है। हैरानी की बात तो ये थी कि ये सब सलमान खान की मौजूदगी में हो रहा था, जहां उनके एक्सप्रेशन देखने लायक थे। इस वक्त तो सभी ने इसे अवॉर्ड नाइट में एक्टर और होस्ट के बीच का मस्ती-मजाक समझकर नजरंदाज कर दिया, लेकिन फिर जल्द ही दोनों कई मौकों पर साथ नजर आने लगे। साल 2019 के आईफा अवॉर्ड, जी सिने अवॉर्ड फंक्शन में भी दोनों साथ ही पहुंचे थे और साथ बैठे थे। कई बार विक्की को कटरीना के घर में भी स्पॉट किया गया। जल्द ही एक ही हुडी पहनने और एक ही बैकग्राउंड की तस्वीरें पोस्ट करते हुए दोनों के अफेयर की चर्चाएं बढ़ने लगीं। एक फोटो से खुला रिलेशनशिप का राज- कटरीना ने सोशल मीडिया अकाउंट से एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वो पीली टी-शर्ट पहने एक शख्स को गले लगाए दिखीं। तस्वीर इतनी क्रॉप थी कि सिर्फ टी-शर्ट का जेब ही दिख रहा था। कुछ समय बाद विक्की ने वही पीली टी-शर्ट पहने हुए तस्वीर पोस्ट की, लेकिन तब कटरीना ने अपनी फोटो डिलीट कर दी। तस्वीरें जल्द ही वायरल हो गईं और दोनों का रिश्ता ऑफिशियल हो गया। तभी रिपोर्ट्स आईं कि कपल ने डायरेक्टर कबीर खान के घर में रोका कर लिया है। कई अटकलों के बीच विक्की-कटरीना ने 9 दिसंबर 2021 में सवाई माधोपुर के सिक्स सेंस रिसोर्ट में डेस्टिनेशन वेडिंग की, जिसमें चंद करीबी ही शामिल हुए। शादी के 3 साल बाद 7 नवंबर 2025 में कटरीना ने बेटे को जन्म दिया, जिसका नाम विहान रखा गया है। फिलहाल कटरीना और विक्की ने बेटे की तस्वीरें सार्वजनिक नहीं की हैं। कटरीना कैफ आखिरी बार 2024 की फिल्म मैरी क्रिसमस में विजय सेतुपति के साथ नजर आई हैं। इन दिनों कटरीना मदरहुड एन्जॉय कर रही हैं और अपने ब्यूटी ब्रांड पर फोकस कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।